mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-297 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
29 अक्टूबर 2025 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ @ पेज 7

केंद्र ने 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दी

एक जनवरी से लागू हो सकता है, 50 लाख कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनरों को फायदा होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने मंगलवार को 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी। इससे 50 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनधारियों को फायदा होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आयोग अपनी सिफारिशें 18 महीनों में देगा। इसकी सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू होने की संभावना है। यह आयोग केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों के वेतन और भत्तों की समीक्षा करेगा। आयोग में एक अध्यक्ष, एक अंशकालिक (पार्ट-टाइम) सदस्य और एक सदस्य-सचिव शामिल होंगे। इस आयोग की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजन प्रकाश देसाई करेंगी।

8वें वेतन आयोग में सैलरी कितनी बढ़ सकती है?

बेसिक सैलरी में कितनी बढ़ोतरी होगी, ये फिटमेंट फैक्टर और DA मर्जर पर निर्भर करता है। 7वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 था। 8वें में ये 2.46 हो सकता है।

हर वेतन आयोग में DA जीरो से शुरू होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि नई बेसिक सैलरी पहले से ही महंगाई को ध्यान में रखकर बढ़ाई जाती है। इसके बाद DA फिर से धीरे-धीरे बढ़ता है। अभी DA बेसिक पे का 55प्रतिशत है। DA के हटने से टोटल सैलरी (बेसिक + DA + HRA) में बढ़ोतरी थोड़ी कम दिख सकती है, क्योंकि 55प्रतिशत DA का हिस्सा हट जाएगा।

पिछले वेतन आयोग कब बने, कब लागू हुए?

5वां वेतन आयोग- ये अप्रैल 1994 में गठित हुआ था। रिपोर्ट जनवरी 1997 में सरकार को सौंपी गई, लेकिन सिफारिशें 1 जनवरी 1996 से ही लागू हो गईं। पहले 51 पे स्केल्स थे, इन्हें घटाकर 34 कर दिया। छठा वेतन आयोग- ये 20 अक्टूबर 2006 को स्थापित हुआ रिपोर्ट मार्च 2008 में तैयार होकर सरकार के पास पहुंची। अगस्त 2008 में रिपोर्ट को मंजूरी मिली और सिफारिशें 1 जनवरी 2006 से लागू हुईं।

उदाहरण

मान लीजिए, आप लेवल 6 पर हैं और 7वें वेतन आयोग के हिसाब से आपकी मौजूदा सैलरी है।

बेसिक पे:35,400
DA (55%): 19,470
IIRA (मेट्रो, 27%): 9,558
टोटल सैलरी:64,428

- 8वें वेतन आयोग में अगर फिटमेंट 2.46 लागू होता है, तो नई सैलरी।
- **नई बेसिक पे**: 35,400 × 2.46 = 87,084
  DA: 0% (रीसेट)
- HRA (27%): 87,084 × 27% = 23,513
- **टोटल सैलरी**: 87,084 + 23,513 = 1,10,597

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद कैंची धाम में 45 मिनट तक रहे

नैनीताल में सुरक्षा सख्त; भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित, ट्रैफिक डायवर्ट

हल्द्वानी, एजेंसी। उत्तराखंड के कुमाऊं दौरे पर पहुंचे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सोमवार शाम लगभग 4:30 बजे विश्व प्रसिद्ध कैंची धाम पहुंचे और बाबा नीब करौरी महाराज के दर्शन कर पूजा अर्चना की। पूर्व राष्ट्रपति ने मंदिर परिसर में करीब 45 मिनट का समय बिताया और ध्यान लगाया।

मंदिर समिति के प्रबंधक प्रदीप साह भय्यू ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का स्वागत किया और उन्हें बाबा नीब करौरी महाराज के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साह ने उन्हें मंदिर की स्थापना से जुड़ी कथाओं से अवगत कराया और पूरे मंदिर परिसर का दौरा कराया।

प्रबंधक साह ने बताया कि कैंची धाम में सालभर में तीन लाख से अधिक श्रद्धालु देश-विदेश से दर्शन के लिए आते हैं।

मन प्रसन्न हो गया

मंदिर समिति के पदाधिकारियों से बातचीत में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि कैंची धाम में पहली बार आकर उन्हें बेहद शांति महसूस हुई और बाबा का ध्यान लगाकर उनका मन प्रसन्न हो गया।

पूर्व राष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए नैनीताल से कैंची धाम तक सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त रही। वीवीआईपी रूट पर चप्पे-चप्पे पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। इस दौरान मंदिर समिति के भुवन तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

डेढ़ बजे पहुंचे थे पंतनगर एयरपोर्ट

इससे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आज दोपहर डेढ़ बजे उनका विमान पंतनगर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। पंतनगर एयरपोर्ट अथॉरिटी के डायरेक्टरेट ऑफिस ने इसकी जानकारी दी। एयरपोर्ट पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने उनका स्वागत किया। यहां से पूर्व राष्ट्रपति सीधे पंतनगर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी पहुंचे और बच्चों को संबोधित किया।

दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर बस में आग लगी

एअर इंडिया का विमान नजदीक खड़ा था किसी के घायल होने की खबर नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर मंगलवार दोपहर एअर इंडिया के विमान से कुछ मीटर दूर खड़ी एक बस में अचानक आग लग गई। यह बस एयर इंडिया स्त्रैस एयरपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की थी, जो कई एयरलाइंस के लिए ग्राउंड सर्विस देती है।

आग लगने के समय बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था। फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि इस घटना में कोई घायल हुआ या नहीं। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें बस पूरी तरह आग की लपटों में घिरी दिखाई दे रही है। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया है। जांच जारी है।

घटना के बाद दिल्ली एयरपोर्ट मैनेजमेंट का बयान

घटना के बाद दिल्ली एयरपोर्ट मैनेजमेंट ने भी बयान जारी किया है। उन्होंने बताया- दोपहर करीब 12 बजे एक ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी की बस में अचानक आग लग गई। एयरपोर्ट की फायर फाइटिंग टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया।

11 सितंबर- काठमांडू जा रही फ्लाइट की टेल में आग

इससे पहले 11 सितंबर को दिल्ली से काठमांडू जा रही स्पाइसजेट फ्लाइट SG041 की टेल (पिछले हिस्से) में आग लग गई थी। इसके बारे में एक दूसरे विमान के पायलट से पता चला। यह घटना तब हुई जब विमान रनवे पर उड़ान भरने के लिए खड़ा था।

संघ की गतिविधियों पर रोक लगाने की कर्नाटक सरकार की कोशिशों को झटका, हाईकोर्ट ने आदेश पर लगाई रोक

बंगलूरू ,एजेंसी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को झटका देते हुए उसके एक आदेश पर रोक लगा दी है। दरअसल इस आदेश के तहत कर्नाटक सरकार ने निजी संगठनों को सरकारी परिसरों और सार्वजनिक जगहों, सड़कों आदि पर कोई भी कार्यक्रम आयोजित करने से प्रशासन की मंजूरी लेना अनिवार्य कर दिया था। कर्नाटक सरकार के इस आदेश को संघ की गतिविधियों को राज्य में बाधित करने के तौर पर देखा जा रहा था। हालांकि अब कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ ने इस आदेश पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार के आदेश के खिलाफ पुनशचैतन्य सेवा समस्थे नामक संगठन ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने राज्य सरकार के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए मामले की सुनवाई 17 नवंबर तक टाल दी है। याचिका दायर करने वाले संगठन की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील अशोक हरनहल्ली ने सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकार का आदेश संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध जैसा है। वकील ने कहा कि %सरकार का आदेश है कि 10 से ज्यादा लोगों को भी इकट्ठा होने के लिए सरकार की मंजरी लेनी होगी। यह संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों पर प्रतिबंध जैसा है। यहां तक कि अगर किसी पार्क में कोई समारोह होता है तो सरकार के इस आदेश के अनुसार, वह भी अवैध होगा। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि जब पुलिस कानून लागू है तो फिर ऐसे आदेश की जरूरत क्यों पड़ी? सरकार इस तरह के प्रशासनिक आदेश जारी नहीं कर सकती। इस पर राज्य सरकार की तरफ से पेश हुए वकील ने जवाब देने के लिए एक दिन का समय मांगा।

जयपुर- हाईटेंशन लाइन से बस में आग

सिलेंडर में ब्लास्ट: 2 की मौत, 10 से ज्यादा झुलसे; देश में 15 दिन में 5वां बड़ा बस हादसा

जयपुर, एजेंसी। मंगलवार को एक बस हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। बस में करंट आ गया, जिसके बाद आग लग गई। हादसे में उत्तर प्रदेश के रहने वाले 2 लोगों की मौत हो गई, 10 मजदूर झुलस गए। बस के ऊपर सिलेंडर भी थे, जिनमें से एक में विस्फोट हुआ है। मामला जयपुर शहर से 50 किलोमीटर दूर मनोहरपुर इलाके का है। जयपुर कलेक्टर जितेंद्र सोनी ने बताया कि 65 मजदूरों को टोडी स्थित ईंट भट्टे पर लाया जा रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया। इसमें गंभीर रूप से घायल 5 लोगों को जयपुर रेफर किया गया है।

देश में बीते 14 दिनों में बस में आग की यह 5वीं घटना है। इससे पहले 14 अक्टूबर को जैसलमेर में बस में आग लगी थी। इसके बाद 24, 25 और 26 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश, यूपी और एमपी में भी ऐसे ही हादसे हुए।

घायल जयपुर के SMS हॉस्पिटल में भर्ती

बस हादसे की जानकारी मिलते ही जयपुर कलेक्टर जितेंद्र सोनी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि बस में 65 यात्री थे। सभी उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के रहने वाले हैं। यहां मजदूरी के लिए ईंट भट्टे पर आए थे। भट्टे पर पहुंचने से करीब 300 मीटर पहले हादसा हो गया। हादसे में नसीम (50) और सहीनम (20) की मौत हो गई।

देश में 15 दिन में बस में आग की बड़ी घटनाएं

14 अक्टूबर: जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर चलती एसी स्लीपर बस में आग लग गई थी। इस हादसे में 28 यात्रियों की मौत हो गई थी।
24 अक्टूबर: आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एसी बस से बाइक टकराने के बाद आग लग गई थी। हादसे में 20 लोगों की जलकर मौत हो गई। 19 यात्रियों ने बस से कूदकर जान बचाई।
25 अक्टूबर: एमपी के अशोकनगर जिले में शनिवार रात बस में आग लग गई। यह शिवपुरी जिले के पिछोर से इंदौर जा रही थी।

उराखंड का रजत जयंती महोत्सव होगा खास शुभारंभ राष्ट्रपति तो समापन करेंगे पीएम

राज्य के इतिहास में दूसरी बार राष्ट्रति विशेष सत्र को संबोधित करेंगी

उत्तराखंड, एजेंसी। देवभूमि उत्तराखंड इस बार अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर रहा है। यह पहला अवसर है जब राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती समारोह में देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों शामिल होने जा रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तीन दिवसीय दौरे पर तीन नवंबर को उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करेंगी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 नवंबर को एफआरआई देहरादून में आयोजित समापन समारोह में भाग लेंगे। रजत जयंती उत्सव के इन आयोजनों से राज्य का गौरव बढ़ गया है और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार इसे ऐतिहासिक बनाने में जुटी है।

राष्टपति निकेतन में तैयारियां चरम पर

राष्ट्रपति निकेतन, जिसे पहले राष्ट्रपति आशियाना कहा जाता था, देहरादून के राजपुर रोड पर राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्थान के पास स्थित भारत के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास स्थान है। यह 237 एकड़ में फैला एस्टेट है, जिसमें मुख्य निकेतन भवन, एनेक्सी परिसर, अस्तबल, स्विमिंग पूल और आम-लीची के बाग हैं।

इसका निर्माण 1920 में गवर्नर जनरल के अंगरक्षक बल के कमांडेंट के निवास के रूप में किया गया था। बाद में फखरुद्दीन अली अहमद के राष्ट्रपति काल में इसे राष्ट्रपति निवास में बदला गया, लेकिन 1998 के बाद उपयोग बंद हो गया। राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 2016 में इसका पुनरुद्धार करवाया और एनेक्सी भवन का उद्घाटन 2017 में किया।

अब राष्ट्रपति मुर्मू के आगमन को देखते हुए यहां सुरक्षा, सौंदर्यीकरण और आवासीय व्यवस्थाओं की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। बगीचों की साज-सज्जा, सुरक्षा घेराबंदी और मार्गों के सौंदर्यीकरण पर प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है।

पीएम मोदी एफआरआई में करेंगे समापन समारोह का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 नवंबर को देहरादून के फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (FRI) में रजत जयंती समापन समारोह में शामिल होंगे। राज्य सरकार ने उनके आगमन की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पांडे, अपर सचिव मुख्यमंत्री बंशीधर तिवारी, जिलाधिकारी सविन बंसल, महानिदेशक उद्योग सौरभ गहरवार, आईजी इंटेलिजेंस केएस नगन्याल और आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने आयोजन स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया।

राष्ट्रपति मुर्मू तीन दिन के दौरे पर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो नवंबर को हरिद्वार में एक कार्यक्रम में शामिल होंगी। इसके बाद तीन नवंबर को वह देहरादून पहुंचकर विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करेंगी। यह उत्तराखंड विधानसभा के इतिहास में दूसरा मौका होगा जब किसी राष्ट्रपति का विशेष सत्र में अभिभाषण होगा। इससे पहले मई 2015 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने विशेष सत्र को संबोधित किया था। तीन नवंबर के बाद राष्ट्रपति नैनीताल रवाना होंगी और अपने तीन दिवसीय प्रवास के दौरान कई कार्यक्रमों में भाग लेंगी।

मोदी का 15वां उत्तराखंड दौरा, देवभूमि से खास लगाव

प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी का यह 15वां उत्तराखंड दौरा होगा। वे कई बार उत्तराखंड को अपना 'दूसरा घर' बता चुके हैं। केदारनाथ में साधना करने से लेकर राज्य के विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता देने तक उनका राज्य से विशेष भावनात्मक जुड़ाव रहा है।

1 से 11 नवंबर तक मनाया जाएगा रजत जयंती सप्ताह

रजत जयंती सप्ताह 1 से 11 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान नारी शक्ति दिवस, सुशासन दिवस, युवा खेल महोत्सव, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन दिवस, बलिदानियों को नमन, सांस्कृतिक विरासत, रोजगार दिवस और विकास यात्रा जैसे विषयों पर पूरे राज्य में भव्य आयोजन होंगे।

धामी सरकार के लिए बड़ा राजनीतिक अवसर

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मुर्मू के एक साथ आने से यह आयोजन उत्तराखंड की राजनीति में बड़ा संदेश देगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का राजनीतिक कद और मजबूत होगा।

गुजरात के पेढवाड़ा गांव में घुसा 8 शेरों का झुंडरातभर गांव की गलियों में टहले; गाय का शिकार किया

गुजरात में गिर-सोमनाथ जिले के गांवों में एक बार फिर शेरों की आमद ने दहशत फैला दी है। कोडिनार तालुका के पेढवाड़ा गांव में सोमवार की रात एक साथ 8 शेरों का झुंड घुस आया। सबसे पहले इनमें से एक शेरनी ने सड़क पर बैठे मवेशियों पर हमला किया।

शेरों ने कुछ घरों में भी घुसने की कोशिश की, जिससे लोग दहशत में आ गए। काफी देर तक गांव की सड़कों पर घूमने के बाद झुंड ने एक गाय का शिकार किया। इतना ही नहीं, शिकार खाने के बाद भी शेरों का झुंड गांव में ही डटा रहा। रात भर गांव में रुकने के बाद तड़के सुबह झुंड जंगल की ओर रवाना हो गया।

दिल्ली में पहला क्लाउड सीडिंग ट्रायल कुछ घंटों में बारिश की संभावना

दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए कमर्शियल वाहनों पर रोक

दिल्ली, एजेंसी। क्लाउड सीडिंग का ट्रायल मंगलवार को हुआ। ट्रायल के 4 घंटे के अंदर कभी भी बारिश हो सकती है। इसके लिए कानपुर से स्पेशल विमान सेसना ने उड़ान भरी थी। क्लाउड सीडिंग खेकड़ा, बुराड़ी, मयूर विहार और कई अन्य इलाकों में की गई।

दिल्ली में प्रदूषण को रोकने के लिए ऐसे कमर्शियल व्हीकल्स की एंट्री पर रोक लगा दी है, जो बीएस-6 (BS-VI) मानकों के अनुरूप नहीं हैं। कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने मंगलवार को आदेश जारी किया।

इस बीच दिल्ली की एयर क्वालिटी में सुधार आया है। मंगलवार सुबह AQI 306 से रिकॉर्ड किया गया। यह सोमवार को 315 से कम था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के आंकड़ों के अनुसार, इस गिरावट के बावजूद, एअर क्वालिटी अभी भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है।

DGCA ने पहले ही परमिशन दे दी थी

क्लाउड सीडिंग के लिए DGCA ने पहले ही परमिशन दे दी थी। 23 अक्टूबर को राज्य सरकार ने राजधानी में पहली बार कृत्रिम बारिश का सफल टेस्ट किया था। दिवाली के बाद से लगातार एयर क्वालिटी में तेजी से गिरावट आई है। राजधानी की हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- डॉक्टर्स का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी

नहीं तो समाज माफ नहीं करेगा;

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कोविड-19 के दौरान जान गंवाने वाले प्राइवेट डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को सरकारी बीमा योजना का लाभ देने के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि अगर न्यायपालिका डॉक्टरों का ध्यान नहीं रखेगी और उनके साथ खड़ी नहीं होगी, तो समाज हमें कभी माफ नहीं करेगा।

गलत फैसले के चलते 12 साल काटी जेल की सजा

अब मांगा मुआवजा सुप्रीम कोर्ट ने दी सुनवाई की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐसे शख्स की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति दी है, जिसने बलात्कार और हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बरी किए जाने से पहले 12 वर्ष तक जेल में काटे।

चौंकाने वाली बात यह है कि इस व्यक्ति को निचली अदालत की तरफ से मौत की सजा सुनाई गई थी और बॉम्बे हाईकोर्ट ने उसकी सजा बरकरार रखी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने उसे बरी कर दिया। इसी मामले में याचिकाकर्ता ने गलत गिरफ्तारी, मुकदमे और सजा के लिए मुआवजे की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने सोमवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान कहा, नोटिस जारी किया जाए।

क्या है मामला, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए भरी हामी?

महाराष्ट्र के ठाणे में 2013 में गिरफ्तार किए गए शख्स को मार्च 2019 में सत्र न्यायालय ने मौत की सजा सुनाई थी। नवंबर 2021 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपने फैसले में मौत की सजा को बरकरार रखा था। हालांकि, मई 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उसे सभी आरोपों से बरी कर दिया। कोर्ट ने जांच की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए उसे त्रुटिपूर्ण करार दिया था। अदालत ने अपने निर्णय में कहा था, यह मामला एक और उदाहरण है कि कैसे सतही और लापरवाहीपूर्ण जांच एक गंभीर अपराध के मामले में अभियोजन की विफलता का कारण बनी। 41 वर्षीय यह व्यक्ति, उत्तर प्रदेश के एक गांव से है। उसने अपनी याचिका में कहा है कि उसे अवैध गिरफ्तारी और मनगढ़ंत सबूतों के आधार पर गलत मुकदमे और परेशानियों का सामना करना पड़ा। याचिका में कहा गया है कि सिर्फ रिहा कर देने से न्याय नहीं होता।

UPSC छात्र हत्याकांड का यूपी कनेक्शन

रामकेश ने यहां से किया था बीटेक, इस शहर की रहने वाली है फॉरेंसिक किलर

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के तिमारपुर के गांधी विहार इलाके में यूपीएससी के छात्र रामकेश मीणा हत्याकांड को बेहद सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया था। सबुत मिटाने के लिए हत्यारोपी अमृता चौहान ने अपनी फोरेंसिक साइंस की पढ़ाई के सारे तिगड़म शव ठिकाने लगाने में लगाए। हत्या से पहले अमृता ने सुमित के साथ मिलकर कई क्राइम वेब सीरीज देखीं ताकि फंसने की कोई गुंजाइश न रहें। लेकिन उनकी हर तिकड़म की मुखबिरी उनकी मोबाइल फोन की लोकेशन ने कर दी।

रामकेश की हत्या के बाद करीब 6:30 घंटे तक अमृता और सुमित शव ठिकाने लगाने में जुटे रहे। आरोपियों ने पीटने के बाद रामकेश की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। बाद में शव को बेड पर लिटा दिया। रसोई से घी-रिफाइंड लाकर शव पर डाला। इसके बाद फ्लैट में रखी मोटी-मोटी किताबों से शव की चिता सजाई गई। कमरे में रखी शराब की पूरी बोतल किताबों पर डाल दी गई। अमृता का पूर्व प्रेमी सुमित मुरादाबाद में गैस वितरक है। उसे अच्छी तरह पता था कि सिलिंडर में आग लगाकर कैसे उसमें धमाका किया जाता है।

आरोपी ने रसोई से सिलिंडर बाहर निकाला। बाद में उसका पाइप हटाकर सिलिंडर को रामकेश के सिर के पास रख दिया। बेहद धीमी गति से सिलिंडर में लगे रेग्यूलेटर को खोल दिया गया। पूरी तैयारी के बाद अमृता और सुमित कश्यप फ्लैट के मेन गेट पर पहुंचे। यह लोहे का जाली वाला दरवाजा था।

हादसा असली लगे इसलिए कुंडी के पास लगी लोहे की जाली को बाहर से हटाकर अंदर से कुंडी बंद कर दी गई। बाद में जाली को वापस अपनी जगह पर कर दिया गया। कुछ देर बाहर खड़े रहने के बाद सुमित ने लाइटर से कमरे के भीतर आग लगा दी। बाद में दोनों ने अपने चेहरे ढके और रात करीब 2:57 बजे फ्लैट से निकल गए। इनके जाने के बाद रामकेश का फ्लैट धू-धू कर जलने लगा और कुछ ही देर बाद एलपीजी सिलिंडर में ब्लास्ट हो गया। इससे रामकेश के शव के टुकड़े-टुकड़े हो गए। पुलिस और दमकल की गाड़ियां वहां पहुंची। आग पर काबू पाया गया तो अंदर रामकेश के शव के अवशेष मिले। पुलिस को शुरुआती जांच में लगा कि शायद कमरे में खुद आग लगने से हादसा हुआ। क्राइम टीम और एफएसएल को मौके पर बुलाया गया और छानबीन हुई।

रामकेश ने नामी कॉलेज से किया था बीटेक : रामकेश मूलरूप से राजस्थान का रहने वाला था। परिवार में माता-पिता व भाई हैं। रामकेश ने द्वारका के एक नामी कॉलेज से बीटेक किया था। वह तिमारपुर के गांधी विहार में चौथी मंजिल पर फ्लैट लेकर किराये पर रह रहा था। मुख्य आरोपी अमृता मूलरूप से पीतल नगरी, मुरादाबाद ही रहने वाली है। उसने दिल्ली के एक कॉलेज से बीएससी फॉरेंसिक साइंस किया है। अभी उसने बीएससी कंप्यूटर साइंस में दाखिला लिया हुआ है। वहीं सुमित अमृता का पूर्व प्रेमी है। वह मुरादाबाद के वाल्मीकि बस्ती, बंगला गांव, नागफनी मुरादाबाद का रहने वाला है। यह मुरादाबाद में एलपीजी गैस वितरक है। वहीं संदीप सुमित का गहरा दोस्त है।

दिल्ली में मर्डर : सीमापुरी में पति की चाकू मारकर हत्या, पत्नी के साथ हुई छेड़छाड़ का किया था विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के सीमापुरी इलाके में बीती रात को एक महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला हत्या में बदल गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने छेड़छाड़ और हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। दो आरोपी हिरासत में हैं, जबकि जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि बीती 27 अक्टूबर को रात 11:56 बजे पीसीआर कॉल के जरिए थाने को सूचना मिली कि न्यू सीमापुरी में एक झगड़े की घटना हुई है। शिकायतकर्ता फरीन ने बताया कि 18 साल के आरोपी ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया, जो उनका परिचित था। जब पीड़िता ने विरोध किया, तो आरोपी ने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया और मारपीट भी की।

इसी बीच, फरीन के पति अकबर अली मिर्जा ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। इस दौरान आरोपी के रिश्तेदार भी मौके पर पहुंचे और अकबर पर चाकू से हमला कर दिया। जिनके जिसके बाद युवक को अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक सीमापुरी थाने के पास बीसी थे। डीसीपी शाहदारा ने बताया कि छेड़छाड़ और हत्या के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू हो गई है। दो आरोपी हिरासत में हैं। आगे की कार्रवाई चल रही है।

एम्स के पास ढलाव पर एनजीटी की सख्ती एमसीडी को छह महीने में हटाने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सामने रिंग रोड पर गेट नंबर 6 के पास स्थित गार्बेज डंप (ढलाव) को बंद करने का निर्देश जारी किया है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेष सदस्य डॉ. ए. सेंथिल वेल ने साउथ एक्सटेंशन निवासी सुदेश प्रकाश सब्बरवाल की तरफ से दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया। अदालत ने पाया कि एम्स से मात्र 70 मीटर दूर स्थित यह ढलाव चिकित्सा और व्यावसायिक कचरे से प्रदूषण फैला रहा है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने भी कचरा प्रबंधन में अनियमितताओं की पुष्टि की और इसे बंद करने की सिफारिश की थी। एनजीटी ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को छह महीने के भीतर इस ढलाव को पूरी तरह बंद करने और कचरा संग्रहण व परिवहन के लिए वैकल्पिक स्थान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, जो जनता के लिए असुविधाजनक न हो। तब तक एमसीडी को सीपीसीबी के मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के क्लॉज 5.6 का पालन करना होगा, जिसमें कचरे का आवरण, दुर्गंध नियंत्रण, लीचेट प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा और हरियाली जैसे उपाय शामिल हैं। डीपीसीसी को इस ढालों की नियमित निगरानी करने और नियमों के उल्लंघन पर त्वरित सुधारात्मक व दंडात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है।

एनजीटी ने जारी किया था नोटिस: इससे पहले एनजीटी ने एम्स के पास कचरा फेंके जाने का आरोप लगाने वाली एक याचिका पर केंद्र और एमसीडी को नोटिस जारी किया था। एनजीटी एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें दावा किया गया कि एम्स के गेट नंबर छह के सामने करीब 30 मीटर के क्षेत्र में कचरा फेंका जा रहा है। तब पीठ ने आदेश में कहा था कि याचिकाकर्ता की शिकायत यह है कि फेंका जा रहा कचरा एम्स के आसपास वायु प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत है और इस तरह खुले में कचरा डालने से आसपास के क्षेत्र में भारी वायु प्रदूषण हो रहा है।

महिलाओं से सम्मानजनक तरीके से पेश आएं पुलिसकर्मी, हाईकोर्ट ने दी हिदायत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने पुलिस अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि वे महिलाओं के साथ गरिमा और सम्मान के साथ पेश आएं। अदालत ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि महिलाओं से बातचीत के दौरान पुलिस अधिकारी अपशब्दों या असंसदीय भाषा का प्रयोग न करें। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह कर्तव्य पुलिसकर्मियों का मूलभूत दायित्व है और इसके लिए अलग से कोई नई गाइडलाइन बनाने की जरूरत नहीं है। थोप्पानी संजीव राव नामक याचिकाकर्ता ने पुलिस थानों में महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने और अपमानजनक भाषा रोकने के लिए दिशानिर्देश जारी करने की मांग की थी। इसके अलावा, उन्होंने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) में दर्ज एक शिकायत की जांच कराने की भी गुहार लगाई थी। एनएचआरसी ने पुलिस को चार सप्ताह के अंदर कार्रवाई करने का निर्देश दिया था, लेकिन कथित तौर पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

न्यायमूर्ति संजीव नरुला की एकलपीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि कोर्ट को कोई कारण नजर नहीं आता कि ऐसी कोई गाइडलाइन तैयार की जाए। लेकिन यह निर्विवाद है कि पुलिस

अधिकारी महिलाओं के साथ गरिमा का व्यवहार करेंगे और अनुचित या असंसदीय भाषा का प्रयोग नहीं करेंगे। इसलिए, मांगी गई प्रार्थना गलत दिशा में है। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि यदि एनएचआरसी के पूर्व निर्देशों का पालन नहीं किया गया है, तो याचिकाकर्ता आयोग के पास फिर से आवेदन कर सकते हैं।आयोग के पास स्वतः संज्ञान लेने की शक्ति है, जिसके तहत वह गैर-अनुपालन की जांच कर सकता है।

अदालत ने नई गाइडलाइन बनाने से इनकार करते हुए जोर दिया कि सम्मान और शालीनता का व्यवहार पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी का हिस्सा है, खासकर महिलाओं के मामले में। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि एनएचआरसी की शिकायत में पुलिस की ओर से महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया था, जिसकी कोई प्रगति नहीं हुई।

युवक की चाकू घोंपकर हत्या, मामला दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिले के सीमापुरी इलाके में सोमवार देर रात झगड़े के दौरान युवक की चाकू से घोंपकर हत्या कर दी गई। जांच में मृतक की पहचान अकबर अली मिर्जा के रूप में हुई है। पुलिस ने उक्त मामले में दो आरोपितों को हिरासत में लिया है। जिनस पुलिस पूछताछ कर रही है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने मंगलवार को ताया किब सोमवार रात करीब 11:56 बजे सीमापुरी थाना पुलिस को पीसीआर कॉल के जरिए झगड़े की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शिकायतकर्ता फरीन, जो मृतक अकबर अली की पत्नी हैं, ने बताया कि मोहल्ले का ही एक युवक मुस्लिम (18) उस पर अशोभनीय टिप्पणी कर रहा था।

जेन जी बना रहा अल्कोहल से दूरी, 36 प्रतिशत युवाओं ने कभी नहीं पी शराब : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर के युवा वर्ग में शराब से दूर रहने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। खासकर जेनरेशन जेड, यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मे युवा, में यह बदलाव सबसे ज्यादा देखा जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, कानूनी तौर पर शराब पीने की उम्र वाले 36 प्रतिशत युवाओं ने कभी भी शराब नहीं पी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बदलाव का सबसे बड़ा कारण स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता है। 87 प्रतिशत युवाओं ने बताया कि वे शराब नहीं पीते क्योंकि वे अपना स्वास्थ्य बनाए रखना चाहते हैं और भविष्य में किसी भी गंभीर बीमारी के जोखिम को कम करना चाहते हैं। 30 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि वे पैसे बचाने के लिए शराब से दूर रहते हैं, जबकि 25 प्रतिशत लोग बेहतर नींद पाने के लिए शराब से परहेज करते हैं। रिपोर्ट में एक नया ट्रेंड जेबरा स्ट्रिपिंग का भी जिक्र किया गया है। इसका मतलब है कि लोग पार्टी या किसी सामाजिक मौके पर अल्कोहल और गैर-अल्कोहल पेय को पीते हैं। इस तरह का तरीका उन्हें शराब की मात्रा कम करने और संयम बनाए रखने में मदद करता है।

इस प्रवृत्ति के कारण, नियमित रूप से शराब पीने वालों की संख्या भी घट रही है। 2025 में केवल 17 प्रतिशत लोग हफ्ते

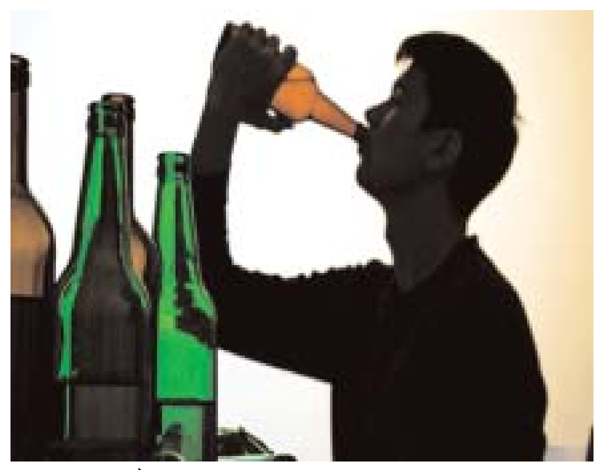

में शराब पीते हैं, जबकि 2020 में यह आंकड़ा 23 प्रतिशत था।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जो लोग कभी-कभी शराब पीते हैं, उनमें से 53 प्रतिशत लोग अब शराब की खपत कम करने की कोशिश कर रहे हैं। यह संख्या पांच साल पहले केवल 44 प्रतिशत थी। साथ ही, जिन लोगों ने कभी शराब नहीं पी, उनकी संख्या भी 2020 के बाद 3 प्रतिशत बढ़ गई है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर शराब की बिक्री अभी भी बहुत बड़ी है। 2024 में दुनिया भर में शराब की कुल खपत 253 बिलियन लीटर तक पहुंच गई है। लेकिन इसके बावजूद, इसका विकास बहुत धीमा हो गया है।

वहीं रिपोर्ट के अनुसार, भारत में शराब की खपत 2024 से 2029 के बीच 357 मिलियन लीटर बढ़ने की संभावना है। इससे भारत दुनिया में तेजी से बढ़ने वाला शराब बाजार बन रहा है। हालांकि, यह बदलाव वैश्विक प्रवृत्ति के विपरीत है, जहां युवा वर्ग शराब से दूर हो रहे हैं।

रिपोर्ट ने नॉन-अल्कोहल स्पिरिट्स की बढ़ती मांग पर भी प्रकाश डाला है। शराब की बिक्री में केवल 0.6 प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी हुई और इसका कुल बाजार मूल्य 1.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचा, वहीं नॉन-अल्कोहल स्पिरिट्स की बिक्री 17 प्रतिशत बढ़ी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 से 2029 तक यह बाजार 24 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है और 2029 तक यह 10.2 बिलियन लीटर से अधिक हो जाएगा।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे पर सफर के लिए फिर बढ़ा इंतजार, राजधानी से दून के सफर में लगेंगे इतने घंटे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे पर इस माह वाहन फर्राटा नहीं भर पाएंगे। इसका निर्माण कार्य तय समय पर पूरा नहीं हो सका है। ऐसे में इसके शुरू होने की तारीख फिर आगे बढ़ा दी गई है। अब इसे नवंबर अंत तक या फिर दिसंबर में शुरू करने की बात कही जा रही है। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से दिल्ली से देहरादून का सफर मात्र 2:30 घंटे में पूरा होगा। इसका सबसे ज्यादा फायदा यमुनापार के ट्रैफिक को भी होगा। राजधानी में अक्षरधाम से शुरू हो रहे इस एक्सप्रेस-वे का दिल्ली का पैकेज कई माह पहले ही तैयार किया जा चुका है। गांधी नगर के पास एलिवेटेड हिस्से को कई माह से वाहनों के लिए बंद किया हुआ। बताया जा रहा है कि पूरे एक्सप्रेस-वे के बन जाने के बाद ही इसे जनता को सौंपने की तैयारी है। वहीं कई तरह की तकनीकी दिक्कतों के चलते भी नियत समय में इसका निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों का कहना है कि भारत माला परियोजना के तहत निर्माणाधीन दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य कई वर्षों से प्रगति पर है। लोगों को अक्षरधाम से देहरादून तक का सफर मात्र ढाई घंटे में कराने वाले इस हाईवे का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। माना जा रहा है कि नवंबर अंत या दिसंबर में इसे जनता के लिए सौंप दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि एक्सप्रेसवे का शुभारंभ अक्तूबर को होना था लेकिन निर्माण कार्य में बारिश बाधा बनी साथ ही इंटरचेंज आदि का निर्माण कार्य प्रभावित हुआ। ऐसे में तय समय पर यह पूरा नहीं हो पाया। अब बचे हुए काम को युद्ध स्तर पर पूरा किया जा रहा है।

लंबे समय से यमुनापार के लोग कर रहे इंतजार: इस एक्सप्रेसवे से यमुनापार में वाहनों का दबाव कम होगा और दिल्ली वालों को इस हिस्से में कोई भी टोल नहीं देना होगा। एक्सप्रेसवे के इस हिस्से में अक्षरधाम, गांधी नगर-गीता कॉलोनी, आईएसबीटी-दिलशाद गार्डन मार्ग, खजूरी पुस्ता मार्ग और सिग्नेचर ब्रिज मार्ग पर एग्जिट और एंट्री पॉइंट बनाए गए हैं। इसमें शास्त्री पार्क रेडलाइट के पास अलग से एक लूप बनाया गया है। इसकी मदद से कश्मीरी गेट बस अड्डे की तरफ से आने वाले वाहनों का हाईवे पर जाना आसान होगा। इसी तरह से खजूरी खास में भी एग्जिट और एंट्री प्वाइंट बनाए गए हैं। लेकिन यह पैकेज कई माह से बन कर तैयार पर शुरू नहीं हो सका है। इस एक्सप्रेसवे का यमुनापार के लोगों को बेसब्री से इंतजार है।

पार्किंग के लिए एजेंसी की हो रही तलाश: एक्सप्रेस-वे के एलिवेटेड हिस्से के नीचे व किनारे पार्किंग बनाई जाएगी। इसके लिए एजेंसी तलाशी जा रही है। राजधानी में रेडीमेड कपड़ों के लिए प्रसिद्ध गांधी नगर मार्केट के आसपास एलिवेटेड हिस्से के नीचे व किनारे खाली भूखंड पर 1000 वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग बनाने के लिए तीन स्थान चिह्नित हैं। इसमें गांधी नगर मार्केट के सामने एलिवेटेड हिस्से के नीचे व उसके किनारे, गीता कॉलोनी और पूर्वी जिलाधिकारी कार्यालय के पास फ्लाईओवर के नीचे पार्किंग विकसित की जानी है। इस काम के लिए एनएचएआई ने अपनी सहयोगी कंपनी राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) को पार्किंग विकसित करने का जिम्मा सौंप रखा है। पार्किंग में फास्टैग से भुगतान होगा। प्रवेश और निकासी पर आटोमैटिक गेट लगे होंगे। इसमें डिस्प्ले बोर्ड होगा, जिससे पता रहेगा कि कितनी जगह भरी व खाली है।

तालिबान राजदूत जईफ को पाकिस्तान ने नहीं, अफगानिस्तान ने ही सौंपा था अमेरिका को, पूर्व आईएसआई प्रमुख हक का दो दशक बाद दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य कुछ दिनों से जारी तनाव के बीच इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व प्रमुख जनरल एहसान-उल-हक का ताजा दावा तालिबान शासन को नागवार गुजरने वाला हो सकता है। यह घटनाक्रम संयुक्त राज्य अमेरिका में 11 सितंबर, 2001 (09/11) के हमलों के समय पाकिस्तान में पदस्थ रहे तालिबान राजदूत अब्दुस सलाम जईफ को लेकर किया गया है। जईफ खुलेआम कहते रहे हैं कि उन्हें पेशावर में अमेरिका को सौंपा गया। आईएसआई के पूर्व प्रमुख हक ने कहा कि यह सरासर झूठ है। जईफ को उनके अपने अफगानिस्तान के लोगों ने अमेरिका को सौंपा। डान अखबार की रिपोर्ट में इस ताजा विवाद पर विस्तार से चर्चा की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान पर आक्रमण के बाद पाकिस्तान के अमेरिकी सेना को सौंपे गए कुख्यात दस्तावेज के 20 साल से भी ज्यादा समय बाद किया गया एहसान-उल-हक का दावा दोनों पड़ोसी देशों के रिश्तों को और खराब कर सकता है। हक ने 11 सितंबर, 2001 के हमलों के बाद ही आईएसआई की कमान संभाली थी। अब तक यही माना जाता रहा है कि जईफ को पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए अमेरिकियों को सौंपा था। तालिबान के पूर्व दूत जईफ अपनी बहुचर्चित पुस्तक माई लाइफ विद द तालिबान में दावा कर चुके हैं कि उन्हें पेशावर में अमेरिकी हिरासत में दिया गया था। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जईफ के इस दावे को आज तक किसी भी पाकिस्तानी अधिकारी ने कभी सार्वजनिक रूप से चुनौती नहीं दी। हक ने हाल ही में एक सेमिनार में इस पर लंबी टिप्पणी की। उन्होंने बताया कि कैसे पिछली तालिबान सरकार की मान्यता समाप्त की गई और कैसे पाकिस्तानी अधिकारियों ने महीनों तक दूत जईफ को इस्लामाबाद

छोड़ने के लिए मनाने की कोशिश की।पूर्व जनरल हक ने कहा कि जईफ अड़े रहे। तब उन्हें उन्हें हेलीकॉप्टर से तोरखम सीमा पर ले जाया गया। सीमा पार करते ही अफगानिस्तान में घुसने पर उन्हें अफगान अधिकारियों ने गिरफ्तार कर अमेरिकी सेना को सौंप दिया। इसके बाद उन्हें ग्वांतानामो बे स्थानांतरित कर दिया गया। हक ने कहा कि ज़ईफ ने ग्वांतानामो बे के कुख्यात अमेरिकी हिरासत केंद्र में लगभग चार साल बंदी के रूप में बिताए और 2005 में रिहा हुए। रिपोर्ट के अनुसार, जईफ से हक की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया मांगी गई। ज़ईफ ने दो टूक शब्दों में पूर्व जनरल के बयान को खारिज कर दिया। पूर्व आईएसआई प्रमुख हक ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि संबंध टूटने के बावजूद ज़ईफ पाकिस्तान में राजदूत के आधिकारिक आवास में ही रहते रहे। उनके यहां विदेशी मीडिया का डेरा लगा रहता था। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2001 में अमेरिका के काबुल पर बमबारी शुरू करने के बाद तालिबान नेताओं ने अफगानिस्तान छोड़ना शुरू कर दिया। उनकी पाकिस्तान में निर्वासित सरकार बनाने की योजना थी। इस योजना का सूत्रधार जईफ ही था। हक ने कहा, मुल्ला ज़ईफ को पाकिस्तान छोड़ने के लिए कहने का फैसला लिया गया था। उस समय पाकिस्तान में 50 लाख अफगान रहते थे और हमने किसी भी अफगान को अमेरिका को नहीं सौंपा।

नेपाल : भारी बर्फबारी के चलते मुक्तिनाथ क्षेत्र में हजारों पर्यटक फंसे, ज्यादातर भारतीय

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के हिमालयी क्षेत्र में बीती रात से शुरू हुई बारिश आज सुबह भारी बर्फबारी में बदल गई है। मुक्तिनाथ क्षेत्र में हो रही बर्फबारी के कारण वहां दर्शन के लिए पहुंचे हजारों पर्यटकों के फंसने की जानकारी सामने आई है।

मुस्तांग जिला स्थित प्रसिद्ध मुक्तिनाथ क्षेत्र में आज सुबह से बर्फबारी हो रही है। मुस्तांग के प्रमुख जिला अधिकारी विष्णु प्रसाद भुसाल ने बताया कि मौसम विभाग की तरफ से यह बर्फबारी बुधवार तक होने की जानकारी दी गई है।

मुस्तांग जिला प्रशासन ने बुधवार तक मुक्तिनाथ और आसपास के क्षेत्रों में ट्रैकिंग पर नहीं जाने की सलाह दी है। जिला प्रशासन के तरफ से जारी सूचना में कहा गया है कि जो यात्री मुक्तिनाथ क्षेत्र के आसपास फंसे

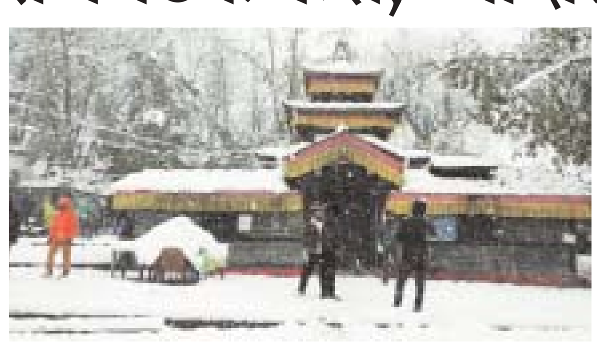

हैं वो सुरक्षित स्थानों पर कल तक रहें। मौसम में सुधार होने के बाद ही लोगों को यात्रा की सलाह दी गई है।

जिला प्रशासन के मुताबिक मुक्तिनाथ क्षेत्र में सोमवार को 15 हजार पर्यटक दर्शन के लिए पहुंचे, जिनमें अधिकांश भारतीय पर्यटक हैं। सभी पर्यटकों को फिलहाल गाड़ी से यात्रा नहीं करने और बुधवार तक पदयात्रा पर नहीं निकलने की सलाह दी गई है।

इसी तरह गोरखा जिले के उत्तरी हिस्से में भी आज तड़के से ही बर्फबारी हो रही है। गोरखा जिले के सीमावर्ती जिलों में करीब 5 से 6 फिट तक बर्फ जम गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बर्फबारी के कारण रोजमर्रा की जिंदगी काफी प्रभावित हुई है।

चीन से सटे चुम्नुब्री गांव के निवासी पासांग फुञ्जो लामा ने बताया कि सीमावर्ती सभी गांवों में आम जनजीवन बर्फबारी के कारण ठप है। मौसम विभाग के तरफ से हिमपात की चेतावनी तो दी गई लेकिन इतनी भारी बर्फबारी होगी, इसका अनुमान नहीं लगाया गया था। नेपाल के मौसम विभाग ने बुधवार तक गंडकी, कर्णाली और लुम्बिनी प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र में बर्फबारी होने की चेतावनी दी गई है। अरब सागर में न्यून चापीय प्रणाली के विकसित होने के कारण मौसम में बदलाव होने की जानकारी दी गई है।

मौसम विभाग द्वारा पूरे देश में लगातार तीन दिनों तक बारिश होने का अनुमान भी लगाया गया है। एक सूचना जारी करते हुए मौसम विभाग ने बताया कि सोमवार देर रात से शुरू हुई बारिश देश के अधिकांश क्षेत्र में गुरुवार तक निरंतर होगी।

बलोचिस्तान के रीको में पाकिस्तानी सेना पर हमला, कई जवान मारे गए, तुर्बत में केच डीसी के काफिले पर विस्फोट

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में पिछले 24 घंटों के दौरान अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने सेना को निशाना बनाया। इस हमले में कई जवान मारे गए और कुछ घायल हो गए। इसके अलावा केच के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) के काफिले को धमाके से उड़ाने की कोशिश की गई। डीसी सुरक्षित हैं। कच्छी जिले में लेवीज थाना और कई इमारतों को फूंक दिया गया। द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की रिपोर्ट के अनुसार, केच जिले की बुलेदा तहसील के रोंगान के रीको क्षेत्र में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमला किया। इस हमले में कई जवान मारे गए और कुछ घायल हो गए। हमलावर जवानों के हथियार भी लूट ले गए। इस घटना पर अब तक अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। अभी तक किसी ने भी इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। हाल के महीनों में बलोचिस्तान में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमले बढ़े हैं। आजादी समर्थक संगठन अकसर सुरक्षा बलों को निशाना बनाते हैं। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को तुर्बत में केच के डिप्टी कमिश्नर के काफिले को निशाना बनाकर सड़क किनारे किए गए बम विस्फोट में गए। एक अन्य घटना में हथियारबंद दर्जनों लोगों ने कच्ची जिले के एक कस्बे में धावा बोल दिया और पुलिस थाने में आग लगा दी। इस दौरान पुलिस के साथ भीषण मुठभेड़ के बाद भाग निकले। अधिकारियों ने कहा कि एक मोटरसाइकिल में लगाया गया इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस एक सुरक्षा वाहन के बगल में तब फटा जब डीसी का काफिला तुर्बत में थाना रोड पर पहुंचा। तुर्बत के पुलिस उपाधीक्षक नजीर अहमद ने बताया कि शक्तिशाली विस्फोट में सुरक्षा वाहन में मौजूद कम से कम नौ लेवी कर्मी और एक राहगीर घायल हो गए। डिप्टी कमिश्नर बुलेटप्रूफ वाहन में यात्रा कर रहे थे। वह विस्फोट में सुरक्षित रहे।विस्फोट के तुरंत बाद सुरक्षा बल और पुलिस जवान घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को तुर्बत जिला अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने अस्पताल के अधिकारियों के हवाले से कहा, दो कर्मियों की हालत गंभीर है। विस्फोट में एक सुरक्षा वाहन नष्ट हो गया। डीसी का बुलेटप्रूफ वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया। आसपास खड़ी कम से कम एक दर्जन इमारतों और पांच वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। दूसरी ओर, दर्जनों आतंकवादियों ने कच्छी जिले के भाग कस्बे पर हमला कर लेवीज़ थाने व अन्य सरकारी इमारतों में आग लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि दो हमलावरों को भी मार गिराया गया। एक शव को आतंकवाद निरोधी विभाग ने कब्जे में ले लिया और दूसरे को भागते हुए आतंकवादी अपने साथ ले गए। अधिकारियों ने बताया कि शाम 4:15 बजे लगभग 50 हथियारबंद लोग मोटरसाइकिलों पर सवार होकर भाग पहुंचे और एक पिकअप ट्रक, पुलिस और लेवी थानों पर हमला कर दिया। उन्होंने लेवी कर्मियों को बंधक बना लिया और थाने पर गोलीबारी शुरू कर दी।

लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम कृ शुद्ध मतदाता सूची हेतु एसआईआर प्रक्रिया प्रारंभ

जिला निर्वाचन अधिकारी ने पत्रकार वार्ता में दी विस्तृत जानकारी, मीडिया की भूमिका को बताया अहम

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। देश के 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में आज से स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है, जो 7 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस प्रक्रिया का उद्देश्य है कृ शुद्ध, अद्यतन और त्रुटि-मुक्त मतदाता सूची तैयार करना, ताकि लोकतंत्र को और अधिक सशक्त एवं विश्वसनीय बनाया जा सके। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने आज जिले के पत्रकार बंधुओं के साथ पत्रकार वार्ता में एसआईआर प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के शुद्धिकरण अभियान में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मीडिया के माध्यम से लोगों तक सही जानकारी पहुँचे, जिससे पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और जनसहभागिता से पूर्ण हो सके।

उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कृ 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2025 तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को ईएफ फार्म वितरित करेंगे, 9 दिसम्बर 2025 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 9 दिसम्बर से 8 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियाँ प्राप्त होंगी। दावे-आपत्तियों की सुनवाई 9 दिसम्बर से 31 जनवरी 2026 तक होगी।अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रथम चरण में किसी भी मतदाता का नाम विलोपित नहीं किया जाएगा और न ही किसी प्रकार के पहचान दस्तावेज मतदाताओं से प्राप्त किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि केवल प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद ही नाम विलोपित करने की प्रक्रिया प्रारंभ होगी, जिसमें आयोग द्वारा निर्धारित सभी नियमों और प्रक्रिया का कड़ाई से पालन किया जाएगा।

कलेक्टर ने बताया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को बीएलओ द्वारा उपलब्ध कराए गए फार्म में अपना विवरण भरना होगा। यदि किसी मतदाता का नाम दो स्थानों पर है, तो एक स्थान से नाम हटाना आवश्यक होगा। पता, नाम या जन्म तिथि में सुधार किया जा सकता है, और जिनका नाम सूची में नहीं है, वे नया फार्म भरकर जमा कर सकते हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 27 अक्टूबर की फ्रीज मतदाता सूची के आधार पर ईएफ फार्म छापे जाएंगे। बीएलओ घर-घर जाकर यह फार्म वितरित करेंगे, जिनमें जन्म तिथि, आधार नंबर, मोबाइल नंबर, माता-पिता व जीवनसाथी का नाम तथा ईपीआईसी नंबर भरना होगा। पिछले एसआईआर के डेटा से मिलान और लिंकिंग में बीएलओ सहायता करेंगे। मतदाता संबंधित जानकारी पर देखी जा सकती है या हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क किया जा सकता है। पत्रकार वार्ता में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बीपी पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर विकास आनंद, जिला जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मिश्रा सहित जिले के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

12 फीट लंबा अजगर घर में घुसा, रेस्क्यू के दौरान वनपाल को अजगर ने जकड़ा; चित्ती प्रजाति था

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के जोगीपुर गांव में मंगलवार सुबह एक 12 फीट लंबा अजगर एक ग्रामीण के घर में घुस गया। इससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। वन विभाग की टीम ने लगभग एक घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद अजगर को सुरक्षित बाहर निकाला। ग्रामीण रामजी पांडे के घर में करीब 40 किलो वजनी अजगर को देखकर परिवार और आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। तत्काल वन विभाग के कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही वनपाल पंकज मिश्रा के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची। टीम ने अजगर को काबू करने के लिए करीब एक घंटे तक मशक्कत की। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एक रोमांचक क्षण आया जब अजगर ने वनपाल पंकज मिश्रा को अपनी जकड़ में ले लिया। उनके साथी वनरक्षक ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मिश्रा को अजगर की पकड़ से छुड़ाया। इसके बाद टीम ने सावधानीपूर्वक अजगर को पकड़ लिया। वन विभाग की टीम ने अजगर को सुरक्षित रूप से पकड़ने के बाद उसे गांव से लगभग 5 किलोमीटर दूर जंगल में छोड़ दिया। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और टीम के प्रयासों की सराहना की।

तीन से खेत के करीब दिखा था: पीड़ित ग्रामीण रामजी पांडे ने बताया कि यह अजगर पिछले तीन दिनों से उनके खेतों के आसपास दिख रहा था। मंगलवार सुबह वह अचानक घर के अंदर आ गया, जिसके बाद कुत्तों के भौंकने पर उन्होंने वन विभाग को सूचना दी।

चित्ती प्रजाति है अजगर: वनपाल पंकज मिश्रा ने बताया कि यह सांपों की सबसे विशालकाय प्रजाति का अजगर है, जिसे स्थानीय रूप से चित्ती कहा जाता है। इसकी लंबाई लगभग 12 फीट और वजन करीब 40 किलो है। उन्होंने यह भी बताया कि यह आमतौर पर बड़े जानवरों का शिकार करता है और बिना वजह इंसानों पर हमला नहीं करता, लेकिन खतरा महसूस होने पर यह आंखों को निशाना बनाकर तेजी से हमला कर सकता है।

डिहुली गांव में 46 परिवार बेघर, प्रशासन ने गिराए मकान; कलेक्टर से मांगी आवासीय जमीन

मीडिया ऑडिअर, सीधी (निप्र)। जिले के अमिलिया थाना क्षेत्र के ग्राम डिहुली में 25 अक्टूबर को प्रशासनिक कार्रवाई में मकान गिराए जाने के बाद 46 परिवार बेघर हो गए हैं। ये परिवार अब खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। मंगलवार को इन प्रभावित परिवारों ने सीधी जिला पंचायत पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा और आवासीय जमीन उपलब्ध कराने की मांग की। परिवारों का कहना है कि उनके मकान गिराए जाने के बाद उनके पास सिर छिपाने की जगह नहीं बची है। वे कई वर्षों से उसी स्थान पर झोपड़ी बनाकर रह रहे थे, लेकिन अब झोपड़ी भी मलबे में बदल गई है। मजबूरी में ये लोग अब पन्नी और बांस की छत के नीचे गुजर-बसर कर रहे हैं।

पुनर्वास की कोई व्यवस्था नहीं: जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद उनके घरों को गिराने की कार्रवाई की थी। हालांकि, मकान तोड़ने के बाद उनके पुनर्वास की कोई व्यवस्था नहीं की गई। ग्रामीणों के अनुसार, वे पांच सालों से इसी जमीन पर रह रहे थे, लेकिन प्रशासन ने अचानक बुलडोजर चलाकर उन्हें बेघर कर दिया। ज्ञापन सौंपने वाले 46 परिवारों में राजमन साकेत, जगन्नाथ साकेत, शिवदयाल साकेत, कविता साकेत, रामनाथ साकेत, कौशिल्या कोल, बाबूलाल कोल, गोविंद दास साकेत, शिवबहादुर साकेत और वंशबहोर साकेत सहित अन्य शामिल हैं।

कलेक्टर बोलीं- मामले की जांच कराएंगे: इस मामले पर सीधी कलेक्टर स्वरोचिस सोमवंशी ने जांच कराने की बात कही है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उन पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने सुनी 203 आवेदकों की समस्याएं

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए 203 आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्रत्येक आवेदन पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर समस्याओं की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा शीघ्र और पारदर्शी निराकरण के निर्देश दिए। सीईओ ने कहा कि जिन आवेदनों में समय-सीमा निर्धारित है, उन्हें विभागीय अधिकारी प्राथमिकता से लेकर तत्काल समाधान सुनिश्चित करें और हितग्राही को सूचना देना अनिवार्य है। उन्होंने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्यवाही की जाए, ताकि आम नागरिकों को त्वरित राहत मिल सके। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी धनंजय मिश्रा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, सभी उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और जनपद पंचायतों के सीईओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

28 अक्टूबर से शुरू हुआ मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान, 7 फरवरी तक चलेगी एसआईआर प्रक्रिया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। देश के 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में आज से स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है, जो 7 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस पहल का उद्देश्य है सही और त्रुटि-मुक्त मतदाता सूची तैयार कर लोकतंत्र को और सुदृढ़ बनाना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने इस अवसर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी और बताया कि इस दौरान नये मतदाताओं को जोड़ा जाएगा, मृत या स्थानांतरित नागरिकों के नाम हटाए जाएंगे तथा मौजूदा सूचनाओं का संशोधन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रक्रिया के तहत 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक बीएलओ घर-घर जाकर ईएफ फार्म वितरित करेंगे, 9 दिसम्बर को प्रारूप सूची प्रकाशित होगी, और 9 दिसम्बर से 8 जनवरी तक दावे एवं आपत्तियाँ प्राप्त होंगी। अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नागरिकों को भी सूची में जोड़ा जाएगा। उन्होंने राजनैतिक दलों से अपेक्षा की कि वे बूथ लेवल एजेंटों की नियुक्ति सुनिश्चित करें ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से न छूटे।

बीएलओ द्वारा घर-घर पहुंचकर ईएफ फार्म वितरित किए जाएंगे, जिनमें मतदाताओं को जन्म तिथि, आधार नंबर, मोबाइल नंबर, माता-पिता एवं जीवनसाथी का नाम तथा ईपीआईसी नंबर भरना होगा। मतदाता यदि चाहे तो जानकारी पर देख सकते हैं या हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क कर सकते हैं। मतदाताओं को बीएलओ द्वारा उपलब्ध कराए गए फार्म में अपना विवरण भरना होगा। यदि किसी का नाम दो स्थानों पर है, तो एक स्थान से नाम हटाना आवश्यक होगा। पता, नाम या जन्म तिथि में सुधार किया जा सकता है, और जिनका नाम सूची में नहीं है, वे नया फार्म भरकर जमा कर सकते हैं। बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बीपी पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर विकास आनंद, उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि भाजपा से अमित प्रधान, कांग्रेस से अखंड प्रताप सिंह, कम्युनिस्ट पार्टी से सुंदर सिंह बघेल, बसपा से रामलाल विश्वकर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चुरहट में लगेंगे स्पोर्ट्स किट हेतु व्यापारिक मेला

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। प्राचार्य शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चुरहट ने जानकारी दी है कि शासकीय बालक क्रीड़ा परिसर चुरहट के 100 छात्रों के लिए स्पोर्ट्स किट (ट्रैक सूट, जूते, मोजे सफेद रंग, खेल टी-शर्ट और बरमूडा हाफ) की खरीद हेतु कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार एक व्यापारिक मेला आयोजित किया जा रहा है।

निर्देशों के अनुपालन में यह मेला 03 नवम्बर (सोमवार) को शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चुरहट, जिला सीधी में आयोजित होगा। मेले में वे इच्छुक व्यापारी, जिनके पास स्पोर्ट्स किट उपलब्ध हैं, प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रत्येक व्यापारी को सेम्पल के रूप में एक-एक सेट कपड़े साथ लाना आवश्यक होगा। एक छात्र के लिए संपूर्ण स्पोर्ट्स किट की कुल राशि 3,000 रुपये निर्धारित की गई है।

खोखरा में ग्रामीणों ने की सड़क की मांग,मुख्यमंत्री की घोषणा; विधायक के पत्र के बाद भी नहीं बनी रोड

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले की जनसुनवाई में पर्यटक ग्राम खोखरा के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग उठाई। यह गांव जनपद पंचायत कुसमी के अंतर्गत आता है और बैगा समुदाय से संबंधित है। वार्ड क्रमांक 7 और 8 की बाडीझिरिया बैगा बस्ती के ग्रामीणों ने कलेक्टर स्वरोचिस सोमवंशी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि शासकीय अभिलेखों में सड़क दर्ज होने के बावजूद अब तक निर्माण नहीं हुआ है। बस्ती तक पहुंचने के लिए कच्चे और कीचड़ भरे रास्ते हैं, जिससे बरसात में आवागमन में कठिनाई होती है। ग्रामीणों ने जानकारी दी कि ग्राम पंचायत स्तर पर सड़क का सीमांकन कार्य पूरा हो चुका है। हालांकि, सक्षम अधिकारी से सुदूर संपर्क सड़क की स्वीकृति नहीं मिली है, जिससे काम रुका हुआ है। यह गांव बैगा प्रोजेक्ट के अंतर्गत आता है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी बैगा प्रोजेक्ट वाले गांवों में सड़कों का जाल बिछाने की घोषणा की थी। इसके बावजूद खोखरा की बैगा बस्ती की सड़क का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ने खोखरा को पर्यटक ग्राम घोषित किया है, लेकिन यहां अभी भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व संपन्न :गोपालदास बांध पर रही श्रद्धालुओं की भीड़, महिलाओं ने की सुख-समृद्धि की कामना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। गोपालदास बांध परिसर में सैकड़ों महिलाओं ने छठ महापर्व धूमधाम से मनाया। दक्षिण दिशा की ओर बने घाट पर श्रद्धालुओं ने सूर्य देव की उपासना की। इस दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

सुबह चार बजे से ही महिलाओं का आना शुरू हो गया था। सिर पर पूजा की टोकरी लिए महिलाओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। यह धार्मिक अनुष्ठान लगभग दस बजे तक चला। सीधी विधायक रीति पाठक भी मौके पर मौजूद रहीं।

विधायक पाठक ने व्रतधारी महिलाओं से भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व हमारी संस्कृति, मातृत्व और प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है।

छठ पूजा भारत के प्रमुख लोक पर्वों में से एक है। यह विशेष रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के कुछ हिस्सों में अत्यंत श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह व्रत सूर्य देव और उनकी पत्नी उषा की उपासना का पर्व है।

माना जाता है कि सूर्य की उपासना से जीवन में आरोग्य, समृद्धि और सुख की प्राप्ति होती है। छठ पूजा की शुरुआत 'नहाय-खाय' से होती है, जिसके बाद 'खरना' और फिर संध्या एवं प्रातः अर्घ्य दिया जाता है। इस दौरान महिलाएं 36 घंटे तक निर्जला व्रत रखती हैं और पूरे विधि-विधान से पूजा करती हैं।

छठ महापर्व सिंगरौली में घाटों पर उमड़ी आस्था

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन मंगलवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ हुआ। जिले भर के घाटों पर श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की। अलसुबह से ही व्रती महिलाएं और उनके परिजन छठ घाटों पर जुटने लगे थे।

सूर्योदय होते ही व्रतियों ने जल में खड़े होकर दूध, जल और विभिन्न फल-सामग्री से अर्घ्य अर्पित किया। इसके बाद, कच्चे दूध का शर्बत पीकर पारण किया गया, जिसके साथ चार दिवसीय व्रत का विधिवत समापन हुआ।

इससे पहले, सोमवार शाम को व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया था। घाटों पर श्री शोभिता (सोप्ता) की पूजा की गई, जिसमें ठेकुआ, गन्ना, मूली, नारियल, सिंघाड़ा, मिठाई और फलों से भरी सुपली अर्पित की गई। भीड़ से बचने के लिए कई श्रद्धालुओं ने अपने घरों में ही कृत्रिम घाट बनाकर पूजा-अर्चना की।

अर्घ्य के दौरान घाटों पर भक्तिमय माहौल रहा। महिलाएं पारंपरिक लोकगीत गाती नजर आईं, जिनमें उग हो सुरुज देव अर्घ्य के बेर..., केलवा के पात पर उगले सूर्यदेव... और कांच ही बांस के बहंगिया... जैसे गीत प्रमुख थे। इन गीतों से पूरा वातावरण श्रद्धा से सराबोर हो गया।

छठ पर्व के अवसर पर सिंगरौली-सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा मंगलवार तड़के मोरवा क्षेत्र के विभिन्न घाटों पर पहुंचे। उन्होंने व्रतियों से मुलाकात कर उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उनके साथ पूर्व जिला अध्यक्ष राम सुमिरन गुप्ता, भूपेंद्र गर्ग, आलोक यादव और अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन अलसुबह से ही सक्रिय रहा। मोरवा निरीक्षक उमेश प्रताप सिंह स्वयं घाटों पर मौजूद रहकर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दे रहे थे। इन व्यवस्थाओं के बीच जिले में छठ पर्व शांतिपूर्ण और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

सांसद की अध्यक्षता में दिशा समिति की बैठक 30 अक्टूबर को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सांसद लोकसभा क्षेत्र सीधी डॉ राजेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक दिनांक 30 अक्टूबर 2025 (गुरुवार) को दोपहर 1 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार सीधी में प्रारंभ होगी।

कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर जानकारी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर बैठक में सहभागिता सुनिश्चित करें।

30 अक्टूबर को विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण समिति की बैठक होगी आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कार्यपालन अभियंता (संचा.-संधा.) म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड सीधी ने जानकारी देकर बताया कि विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण हेतु वृत्त स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई है। यह बैठक 30 अक्टूबर (गुरुवार) को दोपहर 3.30 बजे से अधीक्षण अभियंता (संचा.-संधा.) कार्यालय, मीटिंग हॉल सीधी में संपन्न होगी। कार्यपालन अभियंता ने सभी संबंधित सदस्यों एवं अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर बैठक में सहभागिता सुनिश्चित करें।

सुखी रहना है तो ईश्वर से शिकायत न करें

संपादकीय

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है।

आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दुःख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए। ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग साढ़ेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं। लेकिन प्राचीन काल में लोग साढ़ेसाती का इंतजार किया करते थे। इसका कारण यह था कि साढ़ेसाती के दौरान प्राप्त तकलीफों से उन्हें ईश्वर को प्राप्त करने में मदद मिलती थी। साधु संत शनि को मोक्ष प्रदायक कहा करते थे। वर्तमान में शनि डर का विषय इसलिए बन गये हैं क्योंकि मनुष्य सुख भोगी हो गया है और उसकी सहनशीलता कम हो गयी है।

शास्त्रों में कहा गया है कि व्यक्ति अपने जन्म-जन्मांतर के संचित कर्मों के कारण ही सुख-दुख प्राप्त करता है। जब तक कर्मों का फल समाप्त नहीं होता है तब तक जीवन मरण का चप्र चलता रहता है। जो लोग सुख की अभिलाषा करते हैं उन्हें बार-बार जन्म लेकर दुःख सहना पड़ता है। इसलिए दुख से बचने का एक मात्र उपाय यह है कि दुःख सह कर भी ईश्वर से शिकायत न करो, सुख अपने हिस्से में स्वयं आ जाएगा।

डॉगी का डॉगी मत कहो

निर्मल असो

पड़ोसी के कुत्ते को कुत्ता क्या कहा, बुरा मान गया। यह कुत्ते की इज्जत से कहीं ज्यादा उसकी इज्जत का सवाल था। वह कुत्ते की नस्ल की वजह से सारे पड़ोसियों, मोहल्ले और शहर तक में रौब जमाने लगा था। बात-बात पर कुत्ते की नस्ल से जुड़ी खूबियां बताता। उसकी समझ पर इतराता था। अब कुत्ते की नस्ल के कारण कई लोग मालिक को पहचानने लगे थे। वैसे हम अपने आसपास कई नस्ली जानवर देखने लगे हैं। हैरानी होती है लोग अपने कुत्ते से बेहतर दूसरे के कुत्ते को कतई नहीं मानते, जबकि अपने बच्चों से कहीं ज्यादा अच्छे पड़ोसी के लगते हैं। मैं दुविधा में था कि पड़ोसी के कुत्ते को कुत्ता न कहूं तो क्या कहूं। फिर भी मेरे करीब आए पड़ोसी के कुत्ते को मैंने तरकीब से 'डॉगी' कहा था, लेकिन उसे अंग्रेजी में भी यह पसंद नहीं आया। वह 'शेरा' था, हालांकि इस नाम से जुड़े कई लोग अब सियासत में थे। मैंने पड़ोसी को कहा, 'शेरा तो अपना पार्षद भी है, कहीं वह बुरा न मान जाए या कुत्ते को पता चल गया कि 'शेरा' और भी है, तो कहीं यह बुरा न मान ले।' वह विश्वस्त था कि उसका 'शेरा' बेहतर व अच्छे संस्कारों का है, 'कभी पहचान का मुकाबला हुआ तो भी पड़ोसी के 'शेरा' का जिक्र ही दिल जीत लेगा।' दरअसल पड़ोसी के कुत्ते में कुत्ते जैसी आदतें थीं ही नहीं। वह मालिक के उसूलों से भी ऊपर चलने लगा था, इस तरह वह इनसानों से भी बेहतर दिखने लगा था। ताज्जुब है कि देश में अपने व्यवहार व काम से कई इनसान वाकई इनसान नहीं लगते। कल पुलिस ड्रेस में एक बहरूपिया मिला, पल भर के लिए लगा पूरी कानून व्यवस्था एकदम चकाचक हो गई है। उसके जुमले वहां खड़ी तमाशबीन जनता को पसंद आ रहे थे। उसकी मूंछें ऐसी दिखीं कि देखते ही इलाके के चोर-उचक्के बेहोश हो जाते। इनसान अगर पहरूपिया बनकर व्यवहार करे, तो हमारा विश्वास बढ़ जाता है। एक बार लगा कि वह नकली पुलिस इंस्पेक्टर ज्यादा काम का साबित हो सकता है।

पड़ोसी बता रहा था कि उसका कुत्ता शाही खानदान से है। उसके पूर्वज ब्रिटिश महारानी के महलों में पले हैं और देश की आजादी से पहले ही यहां आ गए थे। दिल किया कि बता दूं कि उसके कुत्ता वंशजों के मालिकों ने ही हमें गुलाम बनाए रखा, वरना कब के आजाद हो चुके होते। मैंने कहा, 'तुम्हारा कुत्ता अगर इंगलैंड की नस्ल का है, तो कतई वफादार नहीं हो सकता। हमारे यहां के तमाम आवारा कुत्तों ने ही वास्तव में आजादी दिलाई है। आज भी देश की रक्षा या तो ये आवारा कर रहे हैं या जो लोग बिना छत, घर और काम के आवारा घूम रहे हैं।' मैंने उसके बेटे से फैमिली हिस्ट्री पूछी तो बताने लगा, 'मेरे दादा को कुत्ते पालने का बहुत शौक था। उनका नाम शेर सिंह था, इसलिए हम 'शेरा' कह कर इस बहाने उन्हें भी याद कर लेते हैं। अब नाम उसे मिलता है जिसके घर में कोई डॉगी रहता है। 'शेरा' के पूर्वज आजादी से पहले इंगलैंड से आकर भौंकते थे, अब सिर्फ टहलते हैं। इन्हें पालतू होने का विशेषाधिकार प्राप्त है। जो भी पालतू होता है उसे विशेषाधिकार मिल जाता है। इसीलिए सरकारी वेटरिनरी कालेजों या सरकारी अस्पतालों में सबसे अधिक कुत्ते ही कुत्ते घूमते हैं। ये कुत्ते साहबों के होते हैं। नेताओं के होते हैं। मंत्रियों के होते हैं। नस्लें बताई जाती हैं, नस्लें बचाई जाती हैं। अपने देश में कुत्तों को जाति प्रथा से बचाया जा रहा है, इसलिए पड़ोसी नहीं चाहता डॉगी को डॉगी बोला जाए। अंततः मैंने भी डॉगी को 'शेरा' कहा, लेकिन उसने असली 'शेरा' होने का दावा करते हुए मुझे काट खाया। पार्षद 'शेरा' आवारा कुत्तों के बीच अपना नाम नहीं सुन पा रहा है। मैं मान चुका था कि डॉगी का अवतार अब डॉगी नहीं, वह साहब के कार्यालय की गाड़ी में अगर बाजार के चक्कर लगाने के लिए अधिकृत है, तो उसे डॉगी क्यों पुकारा जाए। अब कुत्ते के मालिक से ही पूछना पड़ता है कि जो सामने खामख्वाह भौंक रहा है, उसे किस नाम से पुकारा जाए।

"खोज: पुरस्कार विजेताओं ने एक अतिचालक विद्युत परिपथ का उपयोग करके यह दर्शाया कि एक तंत्र ऊर्जा अवरोध को पार कर सुरंग बना सकता है, और यह असतत पैकेटों (क्वांटा) में ऊर्जा को अवशोषित और उत्सर्जित करता है। यह महत्वपूर्ण था क्योंकि पहले यह माना जाता था कि ये क्वांटम प्रभाव केवल सूक्ष्म कणों पर ही लागू होते हैं। यह क्यों महत्वपूर्ण है: उनका कार्य क्वांटम कंप्यूटर, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी और अत्यधिक संवेदनशील क्वांटम सेंसर जैसी नई क्वांटम तकनीकों के विकास के लिए आधारभूत है।"

2025 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार अतिचालक के शोध पर

संजय गोस्वामी

2025 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार जॉन क्लार्क, मिशेल एच. डेवोरेट और जॉन एम. मार्टिनिस को विद्युत परिपथ में मैक्रोस्कोपिक क्वांटम मैकेनिकल टनलिंग और ऊर्जा क्वांटीकरण की खोज के लिए दिया गया। उनके प्रयोगों ने प्रदर्शित किया कि क्वांटम परिघटनाओं को एक ऐसे तंत्र में देखा जा सकता है जो धारण करने योग्य पर्याप्त बड़ा हो, जिससे अगली पीढ़ी की क्वांटम तकनीक का मार्ग प्रशस्त हुआ।

खोज: पुरस्कार विजेताओं ने एक अतिचालक विद्युत परिपथ का उपयोग करके यह दर्शाया कि एक तंत्र ऊर्जा अवरोध को पार कर सुरंग बना सकता है, और यह असतत पैकेटों (क्वांटा) में ऊर्जा को अवशोषित और उत्सर्जित करता है। यह महत्वपूर्ण था क्योंकि पहले यह माना जाता था कि ये क्वांटम प्रभाव केवल सूक्ष्म कणों पर ही लागू होते हैं।

यह क्यों महत्वपूर्ण है: उनका कार्य क्वांटम कंप्यूटर, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी और अत्यधिक संवेदनशील क्वांटम सेंसर जैसी नई क्वांटम तकनीकों के विकास के लिए आधारभूत है।

पुरस्कार विजेता: यह पुरस्कार जॉन क्लार्क (यूसी बर्कले), मिशेल एच. डेवोरेट और जॉन एम. मार्टिनिस द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया

मैक्रोस्कोपिक क्वांटम टनलिंग: पुरस्कार विजेताओं ने क्वांटम टनलिंग की अवधारणा को सूक्ष्म स्तर से आगे बढ़ाते हुए इसे बड़े पैमाने पर लागू किया। उनके कार्य से यह सिद्ध हुआ कि बड़े और दृश्यमान तंत्र, जैसे सुपरकंडक्टिंग सर्किट, भी टनलिंग और ऊर्जा क्वांटीकरण जैसे विशिष्ट क्वांटम गुण प्रदर्शित कर सकते हैं। इन्होंने अतिचालक पदार्थों का उपयोग करके जोसेफसन जंक्शन नामक एक अतिचालक प्रणाली का निर्माण किया, जिसमें अरबों कूपर युग्म (Cooper pairs) एक एकल सामूहिक क्वांटम इकाई के रूप में कार्य करते थे। जब इस प्रणाली को लगभग परम शून्य तापमान तक ठंडा किया गया, तो यह देखा गया कि इसकी विद्युत अवस्था ऊर्जा अवरोधों के माध्यम से टनल बना सकती है तथा अचानक परिवर्तन प्रदर्शित करती है – जो क्लासिकल प्रकृति के विपरीत स्पष्ट रूप से क्वांटम प्रकृति की पुष्टि करता है। महत्त्व: क्वांटम कंप्यूटिंग: इसने सुपरकंडक्टिंग क्यूबिट्स के विकास को संभव बनाया तथा क्वांटम सेंसिंग एवं सिमुलेशन में प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया। क्रिप्टोग्राफी पर प्रभाव: क्वांटम कंप्यूटर पारंपरिक गणनात्मक सीमाओं पर आधारित एन्क्रिप्शन प्रणालियों को भेदने की क्षमता रखते हैं। वैश्विक प्रासंगिकता: भारत सहित कई देश क्वांटम प्रौद्योगिकी में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं, भारत का राष्ट्रीय क्वांटम कंप्यूटिंग मिशन वर्ष 2031 तक कार्यात्मक क्वांटम कंप्यूटर विकसित करने का लक्ष्य रखता है। क्वांटम टनलिंग क्या है परिचय: क्वांटम टनलिंग क्वांटम यांत्रिकी की एक घटना है जिसमें एक कण (जैसे इलेक्ट्रॉन) एक ऊर्जा अवरोध को पार कर सकता है, भले ही क्लासिकल फिज़िक्स के अनुसार उसके पास उसे पार करने के लिये पर्याप्त ऊर्जा न हो। यह घटना तरंग-कण द्वैतता के कारण होती है जिसमे कणों को केवल कणों के रूप में नहीं, बल्कि तरंगों के रूप में भी माना जाता है। जब एक कण ऊर्जा अवरोध से टकराता है, तो उसकी तरंग फलन अवरोध के अंदर तुरंत शून्य नहीं होती है, बल्कि अवरोध के पार भी थोड़ी दूर तक फैलती है। इस फैलाव के कारण, अवरोध के दूसरी ओर कण के पाए जाने की एक छोटी सी संभावना होती है, भले ही उसके पास उसे पार करने की पर्याप्त ऊर्जा न हो। क्वांटम टनलिंग के अनुप्रयोग: स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप : यह उपकरण क्वांटम टनलिंग सिद्धांत का उपयोग करके परमाणुओं का मानचित्र तैयार करता है। फ्लैश मेमोरी: यह स्क्रू ड्राइव और स्स्ड जैसे उपकरणों में पाई जाती है। इसमें डेटा फ्लोटिंग-गेट ट्रांजिस्टरों में संग्रहीत होता है, जहाँ इलेक्ट्रॉन टनलिंग प्रक्रिया के माध्यम से गेट पर प्रवेश करते या उससे बाहर निकलते हैं। जोसेफसन जंक्शन: एक बहुत पतला विद्युतरोधी अवरोध है जो दो पृथक अतिचालकों से बना होता है। इसमें इलेक्ट्रॉन कूपर पेयर्स में चलते हैं (इलेक्ट्रॉनों के जोड़े)। ये जोड़े बिना किसी प्रतिरोध के प्रवाहित होते हैं। जोसेफसन जंक्शनों का उपयोग अति-संवेदनशील मापन के लिये सुपरकंडक्टिंग क्वांटम कंप्यूटरों और सुपरकंडक्टिंग क्वांटम इंटरफेरेंस डिवाइसेस में किया जाता है। क्वांटम कंप्यूटिंग: क्वांटम टनलिंग क्वांटम बिट्स (क्यूबिट्स) को एक साथ कई अवस्थाओं में बने रहने और उनके बीच सहजता से संक्रमण करने की क्षमता प्रदान करती है। यही गुण क्वांटम एल्गोरिदम को जटिल गणनाओं को अत्यधिक गति और दक्षता के साथ हल करने में सक्षम बनाता है, जिससे वे कई मामलों में पारंपरिक कंप्यूटरों से कहीं अधिक शक्तिशाली साबित होते हैं। नाभिकीय संलयन तारों और प्रायोगिक रिएक्टरों में क्वांटम टनलिंग की प्रक्रिया परमाणु नाभिकों को उनके बीच मौजूद तीव्र विद्युत प्रतिकर्षी बलों को पार करने में सक्षम बनाती है। इस प्रक्रिया में हल्के नाभिक आपस में मिलकर एक भारी नाभिक का निर्माण करते हैं और अत्यधिक ऊर्जा का उत्सर्जन करते हैं।

प्रथम महिला स्वतंत्रता सेनानी अभय रानी अब्बक्का चौटा

हेमेन्द्र क्षीरसागर

कर्नाटक के उल्लाल में 1525 को जन्मीं रानी अब्बक्का चौटा 16 वीं शताब्दी में उल्लाल की एक तुलुवा रानी थीं, जिन्होंने पुर्तगालियों के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी थी और उन्हें भारत की प्रथम महिला स्वतंत्रता सेनानी और एक जैन महिला बलिदानी भी कहा जाता है। अपनी वीरता के कारण उन्हें अभय रानी भी कहा जाता था, और उन्होंने चार दशकों से अधिक समय तक पुर्तगालियों के हमलों को विफल किया। वह चौटा राजवंश से थीं और उनके रणनीतिक कौशल और अग्निबाण के उपयोग के लिए जानी जाती हैं। उल्लेखनीय चौटा राजवंश जैन बंट मूल का एक जैन राजवंश था। जिसने 12 वीं - 18 वीं शताब्दी के दौरान तुलुनाडु क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर शासन किया था।

उल्लाल राज्य की शासक: साल था 1555 जब पुर्तगाली सेना कालीकट, बीजापुर, दमन, मुंबई जीतते हुए गोवा को अपना हेडक्वार्टर बना चुकी थी। टक्कर में कोई ना पाकर उन्होंने पुराने कपिलेश्वर मंदिर को ध्वस्त कर उसपर चर्च स्थापित कर डाली। मंगलौर का व्यवसायिक बंदरगाह अब उनका अगला निशाना था। उनकी बदकिस्मती थी कि वहाँ से सिर्फ 14 किलोमीटर पर उल्लाल राज्य था जहां की शासक थी 30 साल की रानी अबक्का चौटा। पुर्तगालियों ने रानी को हल्के में लेते हुए केवल कुछ सैनिक उसे पकडने भेजा। लेकिन उनमें से कोई वापस नहीं लौटा। क्रोधित पुर्तगालियों ने अब एडमिरल डॉम अल्वेरो ड-सिलवीरा के नेतृत्व में एक बड़ी सेना भेजी। शीघ्र ही जख्मी एडमिरल खाली हाथ वापस आ गया। इसके बाद पुर्तगालियों की तीसरी कोशिश भी बेकार साबित हुई।

शेरो की भांति टूट पडी: चौथी बार में पुर्तगाल सेना ने मंगलौर बंदरगाह जीत लिया। सोंच थी कि यहाँ से रानी का किला जीतना आसान होगा, और फिर उन्होंने यही किया। जनरल जोओ पीक्सीटो बड़ी सेना के साथ उल्लाल जीतकर रानी को पकड़ने निकला। लेकिन यह क्या किला खाली था और रानी का कहीं अता-पता भी ना था। पुर्तगाली सेना हर्षोल्लास से बिना लडें किला फतह समझ बैठी। वे जश्न में डूबे थे कि रानी अबक्का अपने चुनिंदा 200 जवान के साथ उनपर भूखे शेरो की भांति टूट पडी। बिना लड़े जनरल व अधिकतर पुर्तगाली मारे गए। बाकी ने आत्मसमर्पण कर दिया। उसी रात रानी अबक्का ने मंगलौर पोर्ट पर हमला कर दिया जिसमें उसने पुर्तगाली चीफ को मारकर पोर्ट को मुक्त करा लिया।

गौरवपूर्ण इतिहास: रानी अबक्का के देशद्रोही पति ने पुर्तगालियों से धन लेकर उसे पकड़वा दिया और जेल में रानी विद्रोह के दौरान 1570 में मारी गई। इस वीर रानी अबक्का चौटा के बारे में पहले कभी बहुत से लोगों ने सुना या पढ़ा होगा जो चार दशकों तक विदेशी आततायियों से वीरता के साथ लड़ती रही हमारी पाठ्यपुस्तकें चुप हैं अगर यही रानी अबक्का योरोप या अमेरिका में पैदा हुई होती तो उस पर पूरी की पूरी किताबें लिखी गई होती। वीरता की भूलता की वजह से हमें हमारे गौरवपूर्ण इतिहास से जानबूझ कर बंचित रखा गया है। हमारी 1000 साल की दासता अपने ही देशवासियों के विश्वासघात का नतीजा है। प्रेरणास्पद रानी अबक्का की याद में हर साल उल्लाल में वीरा रानी अब्बक्का उत्सव का त्योहार मनाया जाता है। जिसके दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उनके योगदान के लिए वीर, प्रतिष्ठित महिलाओं को वीरा रानी अब्बक्का पुरस्कार और प्रशस्ति दिया जाता है।

दीपावली की रोशनी दिलों को जोड़ती है, विश्व बंधुत्व का संदेश देती है

धर्मग्रंथों के अनुसार कार्तिक अमावस्या को भगवान श्री रामचंद्रजी चौदह वर्ष का वनवास काटकर अयोध्या लौटे थे, तब अयोध्यावासियों ने राम के राज्यारोहण पर दीपमालाएं जलाकर महोत्सव मनाया था। इसलिए भी ये दिन बेहद खास माना जाता है। इसी दिन गुप्तवंशीय महान राजा चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने अपने विक्रम संवत की स्थापना की थी।

दिलीप कुमार पाठक

दीपावली कार्तिक मास की अमावस्या के दिन मनाई जाती है। दीपावली के पावन दिन रात्रि के समय प्रत्येक घर में धनधान्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मीजी, विघ्न-विनाशक गणेश जी और विद्या एवं कला की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की पूजा-आराधना की जाती है। धर्मग्रंथों के अनुसार कार्तिक अमावस्या को भगवान श्री रामचंद्रजी चौदह वर्ष का वनवास काटकर अयोध्या लौटे थे, तब अयोध्यावासियों ने राम के राज्यारोहण पर दीपमालाएं जलाकर महोत्सव मनाया था। इसलिए भी ये दिन बेहद खास माना जाता है। इसी दिन गुप्तवंशीय महान राजा चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने अपने विक्रम संवत की स्थापना की थी। धर्म, गणित तथा ज्योतिष के दिग्गज विद्वानों को आमन्त्रित कर यह मुहूर्त निकलवाया कि नया संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से मनाया जाए। दीपावली के दिन आतिशबाज़ी की प्रथा के पीछे सम्भवतः यह धारणा है कि दीपावली-अमावस्या से पितरों की रात आरम्भ होती है। कहीं वे मार्ग भटक न जाएं, इसलिए उनके लिए प्रकाश की व्यवस्था इस रूप में की जाती है। इस प्रथा का बंगाल में विशेष प्रचलन है। भारत विविध प्रकार की संस्कृति का देश हैं जहां धार्मिक कारण भी वैज्ञानिकता के साथ सटीक बैठते हैं। यह पक्ष तो पौराणिक हुआ अब दीपावली का कुछ सामाजिक अध्यन कर

लेते हैं। दीपावली हिन्दू धर्म का प्रमुख त्यौहार जो सनातन संस्कृति को ऊंचा फलक देता है, दीपावली के दिन पूरा भारतवर्ष उमंगमयी हो जाता है, किसी को कोई समस्या भी हुई तब भी वो आज के दिन को मानता है। दीपावली यूँ तो सनातन संस्कृति का त्योहार है परंतु अब दीपावली धर्मों, मज़हबों, मुल्कों की सीमाएं तोड़कर लोगों को समेट रहा है। दीपावली हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, जैन सहित विभिन्न वर्गों के लोगों को अपने साथ जोड़ता है। कभी अमेरिका के राष्ट्रपति भवन में दीपावली आयोजित होती है तो कभी यूनाइटेड नेशन में दीपोत्सव का आयोजन होता है। कभी टेम्स नदी के किनारे लन्दन में दीपोत्सव होता है तो कभी दूर सुदूर किसी मरुस्थल पर... पूरी दुनिया में दीपावली को पहुंचाने में प्रवासी भारतीय लोगों का बहुत बड़ा योगदान है जिन्होंने भारतीय संस्कृति के साथ लोगों को जोड़ दिया है। पूरी दुनिया में आप कहीं भी जाएं अपनी संस्कृति को छोड़ना नहीं चाहिए। पूरी दुनिया जिज्ञासु है, वो दुनिया भर की विभिन्न - विभिन्न संस्कृति को जानने समझने के साथ अपनाती है। यही कारण है कि आज दीपोत्सव यानि दीपावली का त्योहार धर्मों, मज़हबों, मुल्कों की दीवार तोड़कर अमेरिका, अफ़्रीका, ऑस्ट्रेलिया, एशिया, सहित पूरी दुनिया के लोगों को आपस में जोड़ रहा है। पूरी दुनिया के लोग प्रेम, सम्मान, शान्ति, भाइचारे, को अपनाते हुए अंधकार पर प्रकाश की विजय, असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक के रूप में दीपावली को मानते हैं।

आज के पावन पर्व पर कुछ महान शायरों के शेर पढ़ने चाहिए जो धर्मों, मज़हबों से उठकर मानवीय संवेदनाओं के सेतु का निर्माण करते हैं। शायरों के ये कलाम भारतीय संस्कृति को और भी समृद्ध बनाते हैं।

आज की रात दिवाली है दिए रौशन हैं
आज की रात ये लगता है मैं सो सकता हूँ
- अज़्म शाकरी

जलते हैं इक चराग़ की लौ से कई चराग़
दुनिया तेरे ख़याल से रौशन हुई तो है
- शहज़ाद अहमद

सभी के दीप सुंदर हैं हमारे क्या तुम्हारे क्या
उजाला हर तरफ़ है इस किनारे उस किनारे क्या
- हफ़ीज़ बनारसी

कोई कुछ भी कहे ये शेर हिन्दुस्तानी सनातन संस्कृति एवं आपसी सौहार्दपूर्ण वातावरण की गवाही देते हैं।

दीपावली की रौनक लोगों को भले ही एक दिन के लिए प्रकाशवान बनाती है। परंतु दीपावली अपने आप में बहुत ही खास पर्व है जो मानव जीवन शैली को सुधारने एवं स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करता है साथ ही समाज में सौहार्दपूर्ण वातावरण की सीख देता है। हमने गांवों, खेडे में बुजुर्गों के मुँह से सुना है - भैया अगर दीपावली न आए तो लोगों के घर गिर जाएं क्योंकि दीपावली पर जिस तरह से लोग साफ़ - सफ़ाई करते हैं उस स्तर की साफ़ सफाई रोज तो करते नहीं हैं, अच्छा है इसी बहाने लोग घर - द्वार की साफ़ -सफ़ाई कर लेते हैं, हमारे पूर्वजों की दूरदृष्टि कितनी प्रासंगिक रही है।

दीपावली की चकाचौंध में खुद को गुम होने से बचाना भी है, ख़ासकर बुजुर्गों, बच्चों, बेजुबान जानवरों के प्रति और भी ज़्यादा सजग होने की आवश्यकता है। पटाखों के साथ खिलवाड़ न करें, उचित दूरी से पटाखे चलाएँ, और कोशिश करें कि पटाखे चलाएं ही नहीं क्योंकि दीपावली पटाखा उत्सव नहीं अपितु दीपोत्सव के रूप में मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति के अनुसार आदर्शों व सादगी से मनायें। पाश्चात्य जगत् का अंधानुकरण ना करें। मिठाइयों और पकवानों की शुद्धता, पवित्रता का ध्यान रखें। इन्हीं अच्छी ख्वाहिशों के साथ समस्त देशवासियों एवं दुनिया भर के लोगों के लिए अच्छी कामनाएं ये दीपावली बेशुमार खुशियाँ लेकर आए।

राज्योत्सव 2025: सभी जिलों में आयोजित होंगे कार्यक्रम, मुख्य अतिथियों की सूची जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य स्थापना दिवस 2025 पर राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में भव्य राज्योत्सव कार्यक्रम आयोजित होंगे। इन कार्यक्रमों में राज्य के मंत्रीगणों, सांसदों तथा विधायकों को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। राज्य शासन ने प्रत्येक जिले के लिए मुख्य अतिथि के नामों की घोषणा की है। राज्य शासन द्वारा जारी सूची के अनुसार राजनांदगांव जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष और सरगुजा में रामविचार नेताम मंत्री कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। इसी प्रकार बिलासपुर जिला मुख्यालय में तोखन साहू केन्द्रीय राज्य मंत्री, बस्तर में उप मुख्यमंत्री अरूण साव तथा दुर्ग में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। इसी प्रकार गरियाबंद में मंत्री दयालदास बघेल, दंतेवाड़ा में मंत्री केदार कश्यप, कोरबा में मंत्री लखन लाल देवांगन, जशपुर में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल तथा रायगढ़ में मंत्री ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सूरजपुर में मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, जांजगीर-चांपा में मंत्री टंकराम राम वर्मा, बालोद में मंत्री गजेन्द्र यादव, कोरिया में मंत्री राजेश अग्रवाल और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में मंत्री गुरू खुशवंत साहेब जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। बलौदाबाजार-भाटापारा में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा में सांसद विजय बघेल, कबीरधाम में सांसद संतोष पाण्डेय, बलरामपुर-रामानुजगंज में सांसद चिंतामणी महाराज, महासमुंद में सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में सांसद राधेश्याम राठिया, सक्ति में सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, बीजापुर में सांसद महेश कश्यप, कांकेर में सांसद भोजराज नाग तथा खैरागढ़-गंडई-छुईखदान में सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। वहीं मुंगेली जिले में विधायक पुन्नू लाल मोहले, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में विधायक धरमलाल कौशिक, धमतरी में विधायक अजय चन्द्राकर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में विधायक श्रीमती रेणुका सिंह, कोण्डागांव में विधायक लता उसेंडी, नारायणपुर में विधायक विक्रम उसेंडी तथा सुकमा जिले में विधायक किरण देव जिला मुख्यालय में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सभी जिलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य, हस्तशिल्प प्रदर्शनी, स्थानीय उत्पादों की झांकी एवं विकासपरक योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए जाएंगे। राज्य शासन ने निर्देश दिए हैं कि राज्योत्सव कार्यक्रमों का आयोजन जनभागीदारी और पारंपरिक गौरव के साथ गरिमामय ढंग से किया जाए, ताकि प्रदेश की संस्कृति, विकास और एकता का संदेश पूरे राज्य में प्रसारित हो सके।

मरीजों को मिलेगा निशुल्क सीटी स्कैन व एमआरआई जाँच सुविधा का लाभ...

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) में आने वाले मरीजों को सीटी स्कैन एवं एमआरआई जांच में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस विषय में स्वतः संज्ञान लिया है। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने मरीज हित में फैसला लेते हुए आगामी सामान्य परिषद् की बैठक तक के लिए चिकित्सालयों में आने वाले बी.पी.एल. राशनकार्डधारी ओपीडी मरीजों को निःशुल्क सीटी स्कैन एवं एमआरआई जांच सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही, ऐसे अन्य ओपीडी मरीज जो बी.पी.एल. श्रेणी में नहीं आते हैं, उन्हें शासन/विभाग द्वारा निर्धारित न्यूनतम दरों पर यह जांच सुविधा प्राप्त होगी। अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री का यह निर्णय ओपीडी स्तर पर जांच सुविधाओं को सुलभ एवं किफायती बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा है कि - इन आदेशों का पालन सुनिश्चित करते हुए किसी भी मरीज को जांच सुविधा में असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाये। विदित हो कि प्रदेश के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल के रेडियोडायग्नोसिस विभाग में सीटी स्कैन - एमआरआई जांच की अत्याधुनिक मशीनें स्थापित हैं जिसके कारण प्रतिदिन यहां पर काफी संख्या में मरीज इन मशीनों से जांच सुविधा का लाभ उठाने आते हैं परंतु विगत कुछ दिनों से आयुष्मान योजना पोर्टल के जरिए ओपीडी में इन जांचों हेतु ब्लॉकिंग सुविधा में दिक्कत आ रही थी जिसे देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने लोकहित में निर्णय लेते हुए गरीब मरीजों की जांच निशुल्क करने हेतु दिशा- निर्देश जारी किए हैं।

रायपुर वक्फ बोर्ड दफ्तर में कई पुलिसकर्मी तैनात, आज घेराव करने निकलेंगे बजरंग दल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ठीक दीवाली से पहले पुरानी बस्ती के लोगों को वक्फ बोर्ड की नोटिस का मामला अब गहरा गया है। भाजपा नेता संदीप शर्मा के ट्वीट से शुरू हुए विरोध के बाद अब विहिप बजरंग दल ने आज वक्फ बोर्ड कार्यालय का घेराव करेगा। विहिप बजरंग दल रायपुर महानगर के जिला संयोजक विजेंद्र वर्मा, मंत्री बंटी कटरे ने एक बयान में बताया कि हिन्दुओ की जमीन छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड अपनी जमीन होने का दावा कर रहा है। इसके विरोध मे सकल हिंदू समाज द्वारा आज विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। दल के कार्यकर्ता पीड़ितों के साथ बैजनाथ धाम मंदिर मोती बाग में दोपहर 1:00 बजे एकत्रित होकर रैली के रूप में वक्फ बोर्ड कार्यालय जाएंगे।

रायपुर रेलवे-स्टेशन पर छठ गीत बजाने पर सियासत

कांग्रेस बोली-बिहार चुनाव के लिए BJP ने बनाया इवेंट, भाजपा ने कहा-धर्म जागरण से परेशानी क्यों?

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छठ महापर्व पर रायपुर सहित देशभर के स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के जरिए छठ पूजा के पारंपरिक गीत बजाए जा रहे हैं। यात्रियों का स्वागत ÷केलवा के पात पर और उठल सुजनी मां जैसे गीतों से किया जा रहा है। भारतीय रेल का कहना है कि यह पहल यात्रियों को भारतीय संस्कृति और लोक परंपरा से जोड़ने की दिशा में एक कदम है। रेलवे के अनुसार, इस बार 12,000 से अधिक विशेष ट्रेनें और हजारों नियमित ट्रेनें चलाई गई हैं। जिससे छठ पर्व पर लोग आसानी से अपने घर पहुंच सकें। रेल अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से छठ गीतों के साथ यात्रियों का स्वागत शायद पहली बार हो रहा है, जिससे दूर-दराज से आने वाले लोग भी बिहार की सोंधी संस्कृति से जुड़ पा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के रेलवे स्टेशनों में गूंज रही छठ की धुन: रायपुर रेल मंडल के प्रमुख स्टेशन रायपुर, दुर्ग, भिलाई पावर हाउस, भाटापारा, तिल्दा और नेवरा सहित 20 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर छठ गीत बजाए जा रहे हैं। यह पहल यात्रियों के लिए उत्सव जैसा माहौल बना रही है और छठ महापर्व की भव्यता को बढ़ा रही है।

कांग्रेस बोली- भाजपा ने छठ को बना दिया इवेंट: कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने केंद्र सरकार की इस पहल पर सवाल उठाते हुए कहा कि, यह बिहार चुनाव के मद्देनजर छठ को राजनीतिक इवेंट की तरह पेश करने की कोशिश है। ऐसा लग रहा है जैसे नरेंद्र मोदी की सरकार में पहली बार छठ मनाया जा रहा हो। स्टेशनों पर छठ गीत बजाकर और स्पेशल ट्रेन चलाकर भाजपा भावनाओं को भुनाने की कोशिश कर रही है। ट्रेनों में भीड़ है, लोग कठिनाई से सफर कर रहे हैं, लेकिन सरकार इसे इवेंट की तरह दिखा रही है। जबकि ट्रेनों में ठूंस-ठूंसकर लोग अपने गांव जा रहे हैं।

भाजपा का पलटवार, आस्था से जुड़ने से कांग्रेस को दिक्कत क्यों : भाजपा प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कांग्रेस के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि, जब भाजपा संस्कृति और धर्म जागरण को बढ़ावा देती है, तो कांग्रेस को परेशानी होती है। छठ मइया के पर्व पर लोकगीत बजाना श्रद्धा का प्रतीक है, राजनीति नहीं। भाजपा देश की आस्था और परंपराओं को सम्मान देने का काम कर रही है। जब-जब बीजेपी देश को धर्म जागरण के मार्ग पर ले जाना चाहती है, जब-जब संस्कृति, संस्कार को आगे ले जाने के लिए धर्म जागरण को आगे ले जाना चाहती है, तब-तब कांग्रेस उसपर सवाल उठाती है, छठ मइया के पूजा के समय अगर देश में छठ मनाने का आह्वान कर रही है तो, कांग्रेस के पेट में दर्द क्यों हो रहा है।

सुबह–सुबह पुलिसकर्मी के घर हो गई चोरी

रायपुर। राजधानी में चोरों ने पुलिस लाइन के क्वार्टर को अपना निशाना बनाया है. जिस आवासीय परिवार में पुलिस स्टाफ अपने परिवार के साथ रहता है, वहां चोरों ने दिनदहाड़े वारदात को अंजाम दिया. चोरी तीसरे माले के फ्लैट में हुई है, इसलिए पुलिस परिवार चिंतित है.

रिपोर्ट एक जवान गणेश कुमार ध्रुव ने लिखाई है. जिसके मुताबिक चोरी 25 अक्टूबर को दिनदहाड़े हुई. सुबह सवा नौ बजे से साढ़े 12 बजे के बीच चोरों ने फ्लैट के दरवाजे पर लगा ताला तोड़ दिया. आलमारी में रखे 30 हजार नकद और सोने-चांदी के जेवर ले गए. कोतवाली पुलिस ने कुल 80 हजार की चोरी का केस दर्ज किया है. चोरों ने पुलिस लाइन के गेट के सामने बने एच 3 ब्लॉक के टॉवर के फ्लैट को निशाना बनाया है.

अमित बघेल बोले-दीनदयाल की मूर्ति पर क्यों पेशाब नहीं करते, कहा-कौन है अग्रसेन; क्या जानते हैं पाकिस्तानी सिंधी, भड़का अग्रवाल-समाज; कहा-माफी मांगे, जेल में डालो

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ने पर बवाल जारी है। इसी बीच छत्तीसगढ़ क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख अमित बघेल ने विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अग्रसेन महाराज की मूर्ति क्यों नहीं टूटती है। इनकी मूर्ति पर पेशाब क्यों नहीं करते हैं। अमित बघेल ने कहा कि कौन है अग्रसेन महराज। चोर है या झूठा है। पाकिस्तानी सिंधी क्या जानते हैं। मछली वाले भगवान के बारे में। उन्होंने हमारी छत्तीसगढ़ी महतारी के गर्दन को काटकर अपमान किया है।अमित बघेल की आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ प्रदेशभर में अग्रवाल समाज ने मोर्चा खोल दिया है। अग्रवाल समाज ने रायपुर, रायगढ़ और सरगुजा समेत कई जिलों में समाज के लोगों ने विरोध जताते हुए स्नढ्ढक्र दर्ज करने की मांग की है। अग्रवाल समाज का कहना है कि, महाराजा अग्रसेन पर टिप्पणी असहनीय है, बघेल माफी मांगे। अमित बघेल को जेल में डालना चाहिए। इसके विरोध में प्रदर्शन चल रहा है। वहीं रायगढ़ में समाज के प्रतिनिधियों ने स्क्क कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा, जबकि सरगुजा में कोतवाली थाने के सामने धरना दिया गया। अग्रवाल समाज ने अमित बघेल के खिलाफ FIR कर गिरफ्तारी की मांग की है। कार्रवाई नहीं होने पर बड़ा आंदोलन की चेतावनी दी है।

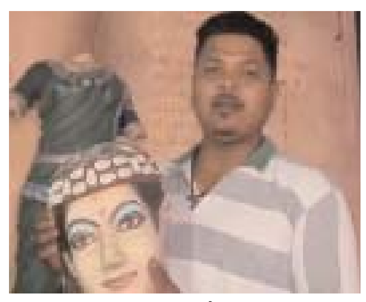

पहले जानिए क्या है मूर्ति विवाद : दरअसल, रायपुर के VIP चौक पर छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति से तोड़फोड़ की गई। रविवार को छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना मौके पर पहुंची और जमकर हंगामा किया। इस दौरान क्रांति सेना और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प भी देखने को मिली। रविवार के हंगामे के बाद, सोमवार को छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति दोबारा स्थापित कर दी गई। पुलिस ने सोमवार सुबह राम मंदिर के पास से आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मानसिक रूप से बीमार है और उसने नशे में मूर्ति तोड़ी थी।

रायपुर पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट किया: CSP रामाकांत साहू के अनुसार आरोपी मनोज सतनामी सारंगढ़ के पुसौर का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों के मुताबिक आरोपी मानसिक रूप से बीमार है। सेंद्री और रांची में इलाज हुआ था। आरोपी ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। वह गांव में पहले भी मारपीट कर चुका है।

रायपुर के डॉक्टर की लापरवाही से पूर्व सैनिक की पत्नी की मौत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर के पूर्व सैनिक एस. देवराजू ने श्री नारायणा हॉस्पिटल, देवेंद्र नगर और स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. संजना खेमका अग्रवाल पर गंभीर चिकित्सीय लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि एक साधारण सर्जरी÷ के बाद डॉक्टरों की लापरवाही और समय पर जांच न होने के कारण उनकी पत्नी की मौत हुई।

देवराजू ने बताया कि उनकी पत्नी को 5 अक्टूबर को अस्पताल में भर्ती किया गया था। 7 अक्टूबर को गर्भाशय-उच्छेदन (हिस्टेरेक्टॉमी) की सर्जरी की गई, जो डॉक्टरों के अनुसार सफल रही। लेकिन दो दिन बाद ही मरीज को तेज पेट दर्द, सूजन और पसीने की शिकायत होने लगी। परिजनों के बार-बार अनुरोध के बावजूद डॉक्टरों ने इसे ÷गैस की समस्या÷ बताकर हल्की दवाओं से इलाज जारी रखा।

10 से 12 अक्टूबर के बीच मरीज की हालत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन न तो कोई जांच कराई गई और न ही एक्स-रे या सीटी स्कैन किया गया। देवराजू का आरोप है कि इस दौरान सर्जन डॉ. खेमका अस्पताल में मौजूद भी नहीं थीं और केवल फोन पर ही सलाह दे रही थीं।

13 अक्टूबर को जब हालत बेहद गंभीर हो गई, तब मरीज को आईसीयू में भर्ती कर आपातकालीन सर्जरी की गई। जांच में सामने आया कि पहले ऑपरेशन के दौरान आंत में छेद हो गया था, जो छह दिनों तक पहचाना ही नहीं गया। इससे पेट में संक्रमण (पेरिटोनाइटिस) और सेप्सिस फैल गया, जिसने धीरे-धीरे शरीर के कई अंगों को प्रभावित कर दिया।17 अक्टूबर को एक और सर्जरी की गई, लेकिन तब तक संक्रमण पूरे शरीर में फैल चुका था।

सभी प्रयासों के बावजूद 24 अक्टूबर 2025 को मरीज की मृत्यु हो गई। पूर्व सैनिक देवराजू ने 26 अक्टूबर को देवेंद्र नगर थाना, रायपुर में शिकायत दर्ज कराते हुए अस्पताल और डॉक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, मेडिकल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और रिपोर्ट जब्त करने, तथा राज्य चिकित्सा परिषद से अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है ये सिर्फ एक मेडिकल गलती नहीं, एक परिवार की बर्बादी है।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सप्ताह के पहले दिन सोने और चांदी के भाव में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को सोना 2,100 प्रति 10 ग्राम और चांदी 6,500 प्रति किलोग्राम सस्ती हो गई। अब रायपुर में सोना 1,25,000 प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,50,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने बताया कि पिछले कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन (शुक्रवार) को सोना 1,27,100 प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,56,500 प्रति किलोग्राम थी। सोमवार को दोनों धातुओं में तेज गिरावट आई।

गिरावट के आंकड़े एक नजर

10 दिनों में सोना 63,800 सस्ता हुआ

18 अक्टूबर को भारत में 24 कैरेट 100 ग्राम सोने का भाव ?13,08,600 था, जो 27 अक्टूबर को घटकर 12,44,800 रह गया।

10 दिनों में चांदी 17,000 सस्ती हुई

18 अक्टूबर को 1 किलो चांदी का भाव 1,72,000 था, जो अब घटकर ?1,55,000 पर आ गया है।

सोने और चांदी की कीमतों में यह लगातार दूसरी बड़ी गिरावट है, जिससे निवेशकों और ज्वेलरी कारोबारियों में हलचल मच गई है।

अरपा पैरी के धार को लेकर एनएसयुआई का प्रदर्शन

सभी सार्वजनिक स्थानों पर गीत बजाने की मांग,कहा- मांग नहीं मानी गई तो रिक्शा चलाकर, लाउडस्पीकर बजाकर जताएंगे विरोध

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। एनएसयूआई ने छत्तीसगढ़ के राज्य गीत 'आरपा पैरी के धार' को हर सार्वजनिक स्थान पर बजाने की मांग की है। राज्य स्थापना दिवस से पहले एनएसयूआई ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें यह मांग की गई कि आगामी 1 नवंबर को जब छत्तीसगढ़ अपने 25 वर्ष पूरे करने जा रहा है, तब इस गीत को राज्य की अस्मिता के प्रतीक के रूप में सम्मान दिया जाए।

NSUI ने बताया कि आरपा पैरी के धार सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की आत्मा और पहचान है। इसे हर सरकारी कार्यक्रम, विद्यालय, सार्वजनिक स्थान और रेलवे स्टेशन पर अनिवार्य रूप से बजाया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी में प्रदेश के प्रति गर्व और सांस्कृतिक चेतना विकसित हो सके। छत्तीसगढ़ की स्थापना को दो दशक से अधिक हो चुके हैं, लेकिन अब तक राज्य गीत को वह मान्यता और सम्मान नहीं मिल सका, जिसकी यह प्रतीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस गीत के बोल और धुन छत्तीसगढ़ की मिट्टी, संस्कृति और लोगों की भावनाओं को बखूबी व्यक्त करते हैं। ऐसे में इसे केवल राज्य गीत के रूप में घोषित करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि इसे हर मंच और सरकारी कार्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। अगर सरकार इस मांग पर जल्द निर्णय नहीं लेती है, तो एनएसयूआई कार्यकर्ता रायपुर रेलवे स्टेशन में रिक्शा चलाकर और लाउडस्पीकर के माध्यम से राज्य गीत बजाकर अपनी सांस्कृतिक अस्मिता की आवाज उठाएंगे। उनका कहना है कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और स्वाभिमान को सम्मान दिलाने के उद्देश्य से किया जाएगा।

हेमंत पाल, एनएसयूआई के प्रभारी महामंत्री: छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस 2025 जिलों में भी मनाया जाएगा, मंत्री सांसद रहेंगे मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ इस साल अपना 25वां स्थापना दिवस पहले से कहीं अधिक भव्य तरीके से मनाने जा रहा है। प्रदेश सरकार ने तय किया है कि 1 नवंबर 2025 को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में विशेष राज्योत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में सरकार के मंत्री, सांसद और विधायक बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे और राज्य के विकास यात्रा की झलक पेश करेंगे। राज्य शासन ने सभी जिलों के मुख्य अतिथियों की सूची जारी कर दी है। इस बार राज्योत्सव को नए छत्तीसगढ़ समृद्धि के 25 वर्ष थीम के साथ मनाने की तैयारी है। सूची के अनुसार, राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। सरगुजा में मंत्री रामविचार नेताम, बिलासपुर में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, बस्तर में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, और दुर्ग में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा राज्योत्सव की शोभा बढ़ाएंगे।

इसी तरह, गरियाबंद में मंत्री दयालदास बघेल, दंतेवाड़ा में मंत्री केदार कश्यप, कोरबा में मंत्री लखनलाल देवांगन, जशपुर में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, और रायगढ़ में मंत्री ओ.पी. चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सूरजपुर में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, जांजगीर-चांपा में मंत्री टंकराम वर्मा, बालोद में मंत्री गजेन्द्र यादव, कोरिया में मंत्री राजेश अग्रवाल, और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब कार्यक्रम की अगुवाई करेंगे। इसके अलावा, कई जिलों में सांसदों को भी मुख्य अतिथि बनाया गया है।बलौदाबाजार-भाटापारा में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा में सांसद विजय बघेल, कबीरधाम में सांसद संतोष पांडेय, बलरामपुर-रामानुजगंज में सांसद चिंतामणि महाराज, और महासमुंद में सांसद रूपकुमारी चौधरी शामिल होंगी।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में सांसद राधेश्याम राठिया, सक्ति में सांसद कमलेश जांगड़े, बीजापुर में सांसद महेश कश्यप, कांकेर में सांसद भोजराज नाग, और खैरागढ़-गंडई-छुईखदान में सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह कार्यक्रम में भाग लेंगे।

झालावाड़ से आकर करते थे रतलाम में वारदात

कंजर गिरोह के दो सदस्य अरेस्ट पशु व बाइक चुराते थे; 13 चोरियों का खुलासा

रतलाम, एजेंसी। जिले की जावरा पुलिस ने चोरी की योजना बनाते हुए राजस्थान के झालावाड़ की कंजर गैंग के दो कंजर चोरों को पकड़ा है। ये बदमाश एक इको कार में बैठकर जावरा शहर में चोरी की योजना बना रहे थे। पुलिस ने घेराबंदी कर इन्हें पकड़ा। पूछताछ में बदमाशों ने बाइक और पशु चोरी सहित कुल 13 वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

एएसपी ग्रामीण विवेक कुमार ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कंजर गिरोह के सदस्य जावरा शहर में इको कार में चोरी की योजना बना रहे हैं। सूचना पर थाना जावरा शहर पुलिस ने टीम बनाकर घेराबंदी कर दो आरोपियों को पकड़ा।

झालावाड़ के रहने वाले हैं आरोपी

पूछताछ में आरोपी राजू लाल कंजर

(25) पिता जसवंत मेघवाल (निवासी सोमचढ़ी, थाना उन्हेल, जिला झालावाड़) ने बताया कि वह अपने साथी चंद्रपाल कंजर (26) (निवासी ग्राम टोकड़ा, थाना उन्हेल, जिला झालावाड़, राजस्थान) के साथ चोरी करने के उद्देश्य से जावरा आया था।

पशु चोरी कबूली, 80 हजार में बेचे थे

एएसपी विवेक कुमार ने बताया कि आरोपी ने स्वीकार किया कि लगभग 20-25 दिन पूर्व दोनों ने ग्राम कराड़िया से एक भैंस, दो पाड़ियां एवं एक बछड़ा चोरी किया था। इन पशुओं को उन्होंने देवगढ़ के जंगल में छुपाकर रखा था। बाद में उक्त पशु 80,000 रुपए में बेचे, जिसमें से 35,000 रुपए राजू लाल ने अपने पास रखे और 45,000 रुपए चंद्रपाल को दिए।

ईंटों में छिपा रखे थे 40 हजार रुपए

आरोपी ने यह भी बताया कि 40,000 रुपए की राशि उसने ग्राम राजल व खजूरी देवड़ा के बीच रोड किनारे शनि व सगस बावजी मंदिर के पास पड़ी ईंटों में छिपा रखी है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पूर्व में कई चोरी की घटनाओं में शामिल होना भी स्वीकार किया है।

इन चोरियों में भी रहे शामिल

ग्राम मावता से मोटरसाइकिल चोरी (5-6 माह पूर्व)।

ग्राम तालीदाना से बाइक चोरी (1.5 वर्ष पूर्व)।

ग्राम बागिया, ग्राम रानीगांव, ग्राम भाटखेड़ा चिकलाना, ग्राम गोठड़ा रोड से, ग्राम मायाखेड़ा, ग्राम आलमपुर ठिकरिया से बाइक चोरी।

ग्राम लोहारी (जावरा) से पवन चक्की के तार व ग्राम छाया से ट्यूबवेल की केबल चोरी।

ग्राम इस्लामपुर से 4 बकरियां चोरी।

ग्राम बगला चौराहा से ट्रक से बकरे-बकरियां चोरी।

ग्राम कराड़िया से पशु चोरी।

आदतन अपराधी, MP-राजस्थान सीमा पर सक्रिय

पुलिस के अनुसार, आरोपी आदतन अपराधी हैं जो राजस्थान व मध्यप्रदेश की सीमा क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते रहे हैं। इनके खिलाफ पूर्व से जिला रतलाम, मंदसौर तथा झालावाड़ में केस दर्ज हैं। पुलिस ने इनके पास से बाइक व इको कार जब्त की है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

एसपी ने दी बधाई, इनाम की घोषणा

बदमाशों को पकड़ने और पुराने अपराधों का खुलासा करने पर एसपी अमित कुमार ने थाना जावरा शहर एवं थाना बरखेड़ा की पुलिस टीम को बधाई दी है। साथ ही टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा भी की है।

नाबालिग किशोर ने फंदा लगाकर की खुदकुशी, जांच शुरु

राजगढ़, एजेंसी। सुठालिया थाना क्षेत्र के ग्राम परलापुरा में मंगलवार अलसुबह कमरे में 16 वर्षीय किशोर का शव टीनशेड के पाइप पर लटका मिला। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरु की। पुलिस के अनुसार ग्राम परलापुरा निवासी 16 वर्षीय अंशू पुत्र मनोज वर्मा ने कमरे में टीनशेड के पाइप से नाइलोन की रस्सी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। बताया गया है कि अंशु कक्षा 12 वीं में अध्यनरत था, परिवार में उससे छोटा एक और 10 साल का बेटा है। परिजनों का कहना है कि बीती रात उसने साथ में खाना खाया, जिसके बाद वह अपने कमरे में चला गया, रात 12 बजे तक उसने मोबाइल भी देखा है। सुबह देखा तो टीनशेड के पाइप से लटका मिला। नाबालिग किशोर ने किन हालातों के चलते यह आत्मघाती कदम उठाया, इसका वास्तविक खुलासा नही हो सका। मृतक देर रात तक मोबाइल पर किससे बात कर रहा था, इस पहलू को लेकर पुलिस ने मामले में जांच शुरु की।

पिकअप की टक्कर से रिटायर्ड मैनेजर की मौत :चावला टावर के पास हादसा, शवयात्रा में जा रहे थे

खरगोन, एजेंसी। खरगोन के बिस्टान रोड पर पिकअप की टक्कर से एक रिटायर्ड समिति प्रबंधक की मौत हो गई। यह हादसा सोमवार सुबह करीब 11 बजे हुआ, जब 65 वर्षीय नंदकिशोर गंगाराम गुप्ता एक शवयात्रा में शामिल होने जा रहे थे।चावला टावर के पास सामने से आ रहे पिकअप वाहन (एमपी 41जीए 2695) ने उन्हें तेज टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नंदकिशोर गुप्ता को गंभीर चोटें आईं। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज शुरू होने से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों के अनुसार, उन्हें शरीर के अंदरूनी हिस्सों और प्राइवेट पार्ट में गंभीर चोटें आई थीं। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर थाने भिजवाया है और चालक की तलाश जारी है। मृतक के दोस्त उद्धव पटेल ने बताया कि नंदकिशोर गुप्ता गांव के फॉरेस्ट कर्मचारी जीवन डोंगरे की शवयात्रा में शामिल होने जा रहे थे। वे ग्रामसेवक सुनील बर्वे के साथ शवयात्रा में शामिल हुए थे, तभी यह हादसा हुआ। परिजनों ने बताया कि नंदकिशोर गुप्ता के भाई हैदराबाद में और बेटा पुणे में रहते हैं। उन्हें घटना की सूचना दे दी गई है।

एसटीआर की डॉग टीना को सम्मान के साथ विदाई, वनकर्मियों ने शव यात्रा निकाली

बुखार और हीमोग्लोबिन की कमी से जूझ रही थी

नर्मदापुरम,एजेंसी। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (STR) की एकमात्र स्निफर डॉग टीना का रविवार, 26 अक्टूबर को निधन हो गया। वह 17 अक्टूबर से बुखार और हीमोग्लोबिन की कमी से जूझ रही थी। उपचार के दौरान जबलपुर में उसने दम तोड़ दिया। सोमवार शाम को जबलपुर में पोस्टमार्टम के बाद स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स डॉग स्क्वाड प्रांगण में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में उसे फूलमाला और पुष्पचक्र अर्पित कर सहसम्मान अंतिम विदाई दी गई। उसकी शव यात्रा निकालकर उसे दफनाया गया।

जबलपुर में उपचार के दौरान तोड़ा दम

17 अक्टूबर से टीना बुखार और हीमोग्लोबिन की कमी से जूझ रही थी। उसे बेहतर उपचार के लिए इटारसी के अलावा नर्मदापुरम, भोपाल और फिर जबलपुर ले जाया गया था, लेकिन वह रिकवर नहीं हो सकी और 26 अक्टूबर को जबलपुर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

वरिष्ठ अधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

जबलपुर में पोस्टमार्टम के बाद स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स जबलपुर डॉग स्क्वाड प्रांगण में उसका अंतिम संस्कार हुआ। एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) के पालन और क्षेत्र संचालक व उप संचालक के निर्देशानुसार, वन मंडल अधिकारी जबलपुर मिश्रा, डीएफओ संदीप फैलोज, उपवन मंडल अधिकारी जबलपुर सोलंकी, सहायक संचालक बोरी विनोद वर्मा, टीएसएफ प्रभारी अधिकारी जबलपुर खरे, रेंजर विजय बारस्कर, वनरक्षक कैलाश चरार, संतोष इरपचे, हैंडलर पदम सिंह राजपूत, विजय राजपूत, गुलाब सिंह राजपूत, रामविलास कहार और अन्य स्टाफ ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उसे विदाई दी।

2017 में जन्म, ग्वालियर में हुई थी ट्रेनिंग

डॉग टीना का जन्म 10 सितंबर 2017 को हुआ था। 1 अप्रैल 2018 से दिसंबर 2018 तक, उसे 9 महीने का प्रशिक्षण राष्ट्रीय श्वान प्रशिक्षण केंद्र, सीमा सुरक्षा बल टेकनपुर, ग्वालियर में दिया गया था। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से हैंडलर अनूलाल भोवसरे (स्थाई कर्मी) और सुरक्षा श्रमिक राज नारायण भल्लवी को ट्रेनिंग के लिए भेजा गया था। टीना को बाघ, तेंदुआ और अन्य वन्य प्राणियों के अवशेषों की पहचान करने की ट्रेनिंग दी गई थी।

STR और स्ट्राइक फोर्स में दी सेवाएं

सफलतापूर्वक प्रशिक्षण के बाद, टीना को हैंडलर सहित सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, नर्मदापुरम मटकुली मुख्यालय पर रखा गया। 2 जनवरी 2019 को, वरिष्ठ कार्यालय भोपाल के निर्देशानुसार, उसे क्षेत्रीय टाइगर स्ट्राइक फोर्स नर्मदापुरम में वन्य प्राणी सुरक्षा के लिए स्थानांतरित किया गया, जहाँ पदम सिंह राजपूत और सेवाराम उईके को डॉग हैंडलर बनाया गया।

अगले साल होना था रिटायरमेंट

21 अक्टूबर 2020 तक वह स्ट्राइक फोर्स नर्मदापुरम में पदस्थापित रही और उसी दिन, वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशानुसार, उसे दोबारा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम में भेजा गया। इसी साल 10 सितंबर को डॉग हैंडलर पदम सिंह राजपूत और सेवाराम उईके ने उसका जन्मदिन मनाया था।

यूपी का हथियार तस्कर 3 पिस्टल के साथ गिरफ्तार

खरगोन के बमनाला से खरीदकर ले जा रहा था; बोला- बेरोजगार हूं

खंडवा, एजेंसी। खंडवा पुलिस ने सोमवार देर शाम इंदौर-इच्छापुर हाईवे पर देशगांव में रूधि बायपास के पास से एक हथियार तस्कर को पकड़ा है। आरोपी उत्तर प्रदेश के जालौन क्षेत्र का रहने वाला है और उसके कब्जे से 3 देसी पिस्टल बरामद की गई हैं। आरोपी ने बताया कि वह खरगोन जिले के बमनाला क्षेत्र से पिस्टल खरीदकर यूपी ले जा रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस की गाड़ी देखकर भागा तो पकड़ा गया: मामले में देशगांव चौकी पुलिस ने यह कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि खरगोन से खंडवा आ रही बस में एक तस्कर सवार है और वह देशगांव में उतर गया है। सूचना पर पुलिस ने हाईवे पर गाड़ी घुमाई तो आरोपी तस्कर फोरलेन के नीचे सर्विस रोड पर पैदल चलता दिखा। उसने फोरलेन पर दौड़ रही पुलिस की गाड़ी को देख लिया और उसके बाद भागने लगा। इसी दौरान पुलिस की उस पर नजर पड़ गई और वह पहचान में आ गया। पुलिस ने निर्माणाधीन रूधि बायपास मार्ग पर अंडरब्रिज के पास से आरोपी को पकड़ लिया।

यूपी के जालौन का रहने वाला है आरोपी

आरोपी की पहचान खजान सिंह पिता पुत्तु सिंह लोधी (43) निवासी ग्राम डिकोली जागीर, थाना रामपुरा, जिला जालौन (उत्तरप्रदेश) के रूप में हुई है। उसके पास से 3 देसी पिस्टल मिलीं। पुलिस ने शाम 7 बजे आरोपी को हिरासत में लिया और थाने लेकर आई।आरोपी खजान सिंह ने पुलिस पूछताछ में बताया कि, ÷गांव में उसके पास खेती है, वह खेती के साथ मजदूरी करता है। लेकिन कुछ समय से मजदूरी नहीं मिल रही थी, बेरोजगार था इसलिए इस धंधे में उतर गया।÷ उसने बताया कि उसे जानकारी मिली थी कि मध्यप्रदेश के खरगोन में सस्ते दाम में पिस्टल मिल जाती है। वह वहीं पिस्टल लेने आया था और 5-5 हजार रुपए में इन्हें खरीदा था। इन्हें यूपी में जाकर वह 10 से 15 हजार रुपए में बेच देता।

कहां से खरीदी पिस्टल, आरोपी ने नहीं बताया

चौकी प्रभारी राजेंद्र सोलंकी के अनुसार, आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में केस दर्ज कर उससे पूछताछ की जा रही है। फिलहाल आरोपी ने यह नहीं बताया कि उसने पिस्टल किससे खरीदी है। उसे सिर्फ बमनाला क्षेत्र का नाम याद है।

एचयूआरएल यूरिया की रैक से किसानों को मिली 715 मैट्रिक टन उर्वरक उपलब्धता

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में एचयूआरएल कंपनी की यूरिया रैक मंगलवार को शिवपुरी रैक प्वाइंट पर पहुंची, जिससे जिले को 715 मैट्रिक टन यूरिया प्राप्त हुआ। जिसमें 04 डबल लॉक गोदाम को 275 मै. टन, 02 मार्केटिंग सोसायटी को 225 मै. टन एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं को 215 मै.टन यूरिया प्राप्त हुआ। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के निर्देशानुसार इसका वितरण 29 अक्टूबर बुधवार को संबंधित डबल लॉक केंद्र, मार्केटिंग सोसायटी एवं निजी उर्वरक विक्रय केन्द्रों के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर किया जाएगा।

मार्कफेड शिवपुरी को 50 मै.टन, मार्कफेड करैरा को 25 मै.टन, मार्कफेड पोहरी को 75 मै.टन एवं मार्कफेड पिछोर को 125 मै.टन यूरिया आवंटित हुआ। विपणन सहकारी संस्था बैराड़ को 75 मै.टन तथा विपणन सहकारी संस्था मार्केटिंग खनियांधाना को 150 मै.टन यूरिया उपलब्ध कराया गया।

निजी विक्रेताओं के माध्यम से भी किसानों तक यूरिया पहुँचाने की व्यवस्था की गई है। इसमें धाकड खाद बीज भण्डार (प्रो. रवि धाकड) शिवपुरी को 7.5 मै.टन, धाकड खाद बीज भण्डार (नरेंद्र धाकड) शिवपुरी को 7.5 मै.टन, विक्रम खाद बीज भण्डार शिवपुरी को 7.5 मै.टन, कार्तिक बीज भण्डार शिवपुरी को 7.5 मै.टन, अनन्या खाद बीज भण्डार शिवपुरी को 7 मै.टन, जनता एग्रो एजेंसी शिवपुरी को 10 मै.टन, अजय पटेल ट्रेडर्स भौंती को 45 मै.टन, पाठक ट्रेडर्स भौंती को 25 मै.टन, बबलू ट्रेडिंग कंपनी भौंती को 25 मै.टन, अवधेश कुमार गुप्ता सिरसौद को 25 मै.टन, अग्रवाल इंटरप्राईजेज करैरा को 20 मै.टन एवं अल्का एजेंसी बामौरकलां को 30 मै.टन यूरिया आवंटित किया गया है।

बाल विवाह रोकथाम हेतु देवउठनी एकादशी पर जिले में विशेष निगरानी के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। देवउठनी एकादशी (01-02 नवम्बर 2025) के शुभ अवसर पर जिले में बड़ी संख्या में विवाह आयोजन होने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी रवीन्?द्र कुमार चौधरी द्वारा जिले में बाल विवाह की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। शासन की मंशा के अनुरूप शिवपुरी जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य से व्यापक कार्ययोजना पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

जिले के सभी तहसील एवं विकासखण्ड स्तर पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में विवाह आयोजनों पर निकटतम दृष्टि रखें। आवश्यक निर्देशों के तहत प्रत्येक ग्राम अथवा वार्ड में बाल विवाह की सूचना प्राप्त करने हेतु सूचना तंत्र का गठन किया जायें। सूचना तंत्र में शिक्षक, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, स्व सहायता समूह की सदस्य, शौर्यादल, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मातृ सहयोगिनी समिति, सरपंच / पंच / पार्षद, ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम वार्ड के सक्रिय सदस्य हो सकते है। बाल विवाह रोकथाम में सहयोग देने वाले सूचना तंत्रों / सूचनादाताओं की पहचान गोपनीय रखी जाए। यह सूचना तंत्र ग्राम /वार्ड में हो रहे प्रत्येक विवाह आयोजन की जानकारी रखेंगे तथा बाल विवाह होने की स्थिति में परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास अथवा कन्ट्रोल रूम नम्बर 07492356963 अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर 1098, महिला हेल्पलाइन नम्बर 181 या पुलिस को 112 नंबर पर सूचित कर सकते है।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी अंतर्विभागीय समन्वय से परियोजना स्तर पर एक उडनदस्ता गठित करें। उडनदस्ता अपने क्षेत्र में हो रहे विवाह आयोजन / सामूहिक विवाह स्थलो का भ्रमण करेगें तथा यह सुनिश्चित करें कोई बाल विवाह सम्पन्न नही हो रहा है। भ्रमण के दौरान बाल विवाह की सूचना अथवा बाल विवाह होता पाये जाने पर बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही करेगें। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 का स्कूल / कॉलेज एवं अन्य माध्यमों से समुचित प्रचार-प्रसार कराया जाना सुनिश्चित करें। जिला स्तर एवं विकासखण्ड स्तरो पर विवाह आयोजनों में सेवाएं देने वाले सेवा प्रदातओं जैसे- प्रिंटिग प्रेस, हलवाई, कैटरर्स, धर्मगुरु, बैंड वाला, ट्रान्सपोर्ट वाले, समाज के मुखिया एवं जनप्रतिनिधि तथा अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों को बाल विवाह दुष्परिणामों से परिचित कराया जाए। सेवा प्रदाताओं से विवाह आयोजन में सेवाएं देने से पूर्व वर-वधु की उम्र के प्रमाण लेने की अपील की जाए।

शिवपुरी जिले में कम्बाईन हार्वेस्टर में स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम लगाना अनिवार्य

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्?ट्रेट रवीन्?द्र कुमार चौधरी द्वारा जिले में पराली एवं नरवाई जलाने की घटनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया गया है। कम्बाईन हार्वेस्टर मालिक अथवा संचालक को फसल कटाई के दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशील रहकर कृषि अवशेषों का समुचित प्रबंधन करने के निर्देश दिए गए हैं। धान (खरीफ) एवं गेहूँ (रबी) की कटाई में उपयोग किए जाने वाले सभी कम्बाईन हार्वेस्टरों में स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम लगाना अनिवार्य किया गया है। यह व्यवस्था फसल कटाई के उपरांत बचे अवशेषों को जलाने की बजाय उपयोगी ढंग से प्रबंधित करने के उद्देश्य से की गई है।

दामाद ने बैल के खूंटे से की ससुर की हत्या, बालाघाट में गला दबाकर पटका ; आरोपी फरार, पुलिस खोज रही

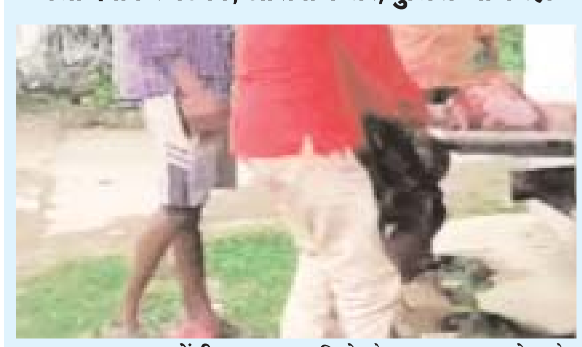

बालाघाट, एजेंसी। बालाघाट जिले के रूपझर थाना क्षेत्र के नारंगी गांव में एक दामाद ने सोमवार को अपने ससुर की हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी दामाद मौके से फरार है। आरोपी ने ससुर को पहले बैल बांधने वाले खूंटे से मारा और फिर गला दबाकर सीमेंट रोड पर पटक दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी दामाद के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गत 27 अक्टूबर की शाम संजू अपनी पत्नी को ढूंढते हुए ससुराल की ओर आ रहा था। इसी दौरान रास्ते में उसे ससुर झाडूलाल मिले। संजू ने उनसे अपनी पत्नी और सास के बारे में पूछा, लेकिन झाडूलाल ने कोई जवाब नहीं दिया। इससे नाराज होकर संजू ने एक घर के सामने गड़े बैल बांधने वाले खूंटे को उखाड़कर झाडूलाल पर हमला कर दिया। हमले को देखकर पड़ोसी दौड़े और घायल झाडूलाल को पानी पिलाया, जिससे उनमें कुछ हरकत हुई। यह देखकर संजू ने झाडूलाल को जान से मारने की नीयत से उनका गला पकड़ा और उन्हें सीमेंट रोड पर पटक दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। रूपझर थाना प्रभारी जी.डी. पटले और उकवा चौकी प्रभारी आकाश शर्मा अपने स्टाफ के साथ घटनास्थल पहुंचे और शव बरामद किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी दामाद संजू राउत के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मंगलवार को मृतक झाडूलाल का पोस्टमॉर्टम जिला अस्पताल बालाघाट में कराया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। मृतक की पहचान 73 वर्षीय झाडूलाल उईके के रूप में हुई है, जबकि आरोपी दामाद संजू राउत है। संजू मलाजखंड थाना क्षेत्र के देवरी का निवासी है और उसने झाडूलाल की तीसरी बेटी मनीषा से प्रेम विवाह किया था।

किराना दुकान से गुटखा और नकदी चोरी, सरसवही गांव की दुकान को बनाया निशाना ; पुलिस जांच में जुटी

कटनी, एजेसी। जिले के एनकेजे थाना क्षेत्र के सरसवही गांव में एक किराना दुकान से अज्ञात चोरों ने राजश्री गुटखा का एक बोरा और लगभग 25 हजार रुपए नकद चुरा लिए। चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर वारदात को अंजाम दिया। दुकान संचालक अमित पांडे ने एनकेजे थाने में इस घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पांडे ने पुलिस को बताया कि चोरी सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात हुई। वे रोज की तरह अपनी दुकान बंद कर घर चले गए थे।

जज बंगले के बगल में स्थित हनुमान मंदिर में चोरी

सीहोर में दान पेटी तोड़कर नकदी ले उड़े चोर ; टूटी मिली दान पेटी

सीहोर, एजेंसी। सीहोर नगर में शासकीय जिला अस्पताल और नगर पालिका कार्यालय के पास स्थित एक हनुमान मंदिर में चोरी की घटना हुई है। चोर मंदिर की दान पेटी तोड़कर उसमें रखी राशि चुरा ले गए। चोरी का पता मंगलवार सुबह तब चला जब श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। यह मंदिर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के बंगले के बिल्कुल बगल में है, जिसके चलते व्यस्ततम इलाके में हुई इस चोरी से लोग हैरान हैं।

सुबह पहुंचे श्रद्धालु तो टूटी मिली दान पेटी

जानकारी के अनुसार, नगर में शासकीय जिला अस्पताल, नगर पालिका परिषद कार्यालय से कुछ

ही दूरी पर पुरानी जेल की जमीन पर बंदी मुक्त हनुमान मंदिर स्थित है। यह मंदिर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के घर के बिल्कुल बगल में है। बताया गया है कि इसी हनुमान मंदिर में चोरी की घटना घटित हुई है। आज सुबह जब श्रद्धालु मंदिर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि मंदिर की दान पेटी टूटी हुई है और उसमें से राशि गायब है।

पुलिस को चोरों की चुनौती

चोरी की घटना की सूचना लोगों ने पुलिस को दी है। लेकिन दो बड़े शासकीय संस्थानों (अस्पताल, नपा) और मजिस्ट्रेट के घर के बगल में चोरी की घटना होने से सभी लोग अचंभित हैं। सीवन नदी चौराहा के नजदीक स्थित इस मंदिर में चोरी होना अपने आप में यह माना जा रहा है कि चोर अब पुलिस को भी चुनौती देने लगे हैं। व्यस्ततम इलाके में चोरी की घटना होने से सभी लोग आश्चर्यचकित हैं।

अब मंदिरों को भी बना रहे निशाना

उल्लेखनीय है कि सीहोर जिले में चोर अब तक घरों और दुकानों को ही निशाना बनाते थे, लेकिन अब भगवान के मंदिर में भी चोर चोरी करने लगे हैं, जिससे लोगों की आस्था को भी ठेस पहुंची है।

मनमाना किराया वसूली पर RTO का एक्शन, छतरपुर से कोटा जा रही बस जब्त; यात्रियों से 3 गुना तक वसूल रहे थे किराया

छतरपुर, एजेंसी। बस संचालकों द्वारा यात्रियों से मनमाना किराया वसूलने, फर्जी टिकट जारी करने और अवैध संचालन के गंभीर आरोपों के बाद ऋझ्लह विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। अखिल भारतीय ग्राहक सेवा पंचायत की शिकायत पर विभाग ने सोमवार देर रात बस स्टैंड पर चेकिंग की और छतरपुर से कोटा जा रही एक बस (ऋ 11 श्व 6777) को वैध दस्तावेज न होने पर जब्त कर लिया। बस जब्त होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

3 गुना किराया, फर्जी टिकट, माल ढुलाई का आरोप: अखिल भारतीय ग्राहक

सेवा पंचायत, महाकौशल प्रांत ने सोमवार को आरटीओ कार्यालय में इस संबंध में एक शिकायती आवेदन सौंपा था। पंचायत ने आरोप लगाया कि जिले के कई बस संचालक निर्धारित दरों से तीन गुना तक अधिक किराया वसूल रहे हैं। बस स्टैंडों पर किराया सूची प्रदर्शित नहीं की जाती और यात्रियों को वैध टिकट भी नहीं दिए जाते, जिससे जीएसटी चोरी भी हो रही है। इसके अतिरिक्त, कई बसें बिना अनुमति के पर्यटन बस के नाम पर संचालित हो रही हैं और उनका उपयोग मालवाहक के रूप में किया जा रहा है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है।

ग्राहक पंचायत ने की जांच की मांग: ग्राहक सेवा पंचायत ने परिवहन विभाग से सभी अधिकृत बसों की सूची सार्वजनिक करने, अवैध टिकट बिक्री पर रोक लगाने और बसों की फिटनेस, सुरक्षा उपकरण तथा रजिस्ट्रेशन की तत्काल जांच कराने की मांग की है।

RTO ने रात में की कार्रवाई, बस जब्त: शिकायत मिलने के बाद आरटीओ विभाग ने सोमवार देर रात बस स्टैंड पर कार्रवाई की। इस दौरान छतरपुर से कोटा जा रही बस क्रमांक ऋ11 श्व 6777 को वैध दस्तावेज न होने के कारण जब्त कर लिया गया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले बोले सूर्यकुमार यादव– फील्डिंग पर रहेगा फोकस

कैनबरा, एजेंसी। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बुधवार से शुरू हो रही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज़ से पहले कई अहम मुद्दों पर खुलकर बात की। उन्होंने श्रेयस अय्यर की चोट से रिकवरी, टीम का सकारात्मक माहौल, फील्डिंग में सुधार की कोशिशें और शिवम दुबे-जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों पर भरोसा जताया। सूर्यकुमार ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में सबसे पहले श्रेयस अय्यर की चोट पर अपडेट देते हुए कहा कि वे बहुत तेजी से रिकवर कर रहे हैं। सिडनी में तीसरे वनडे के दौरान अय्यर ने एलेक्स केरी का शानदार डाइविंग कैच लिया था, लेकिन उसी वक्त उनकी पसलियों और कोहनी पर चोट लग गई थी। कप्तान ने बताया, हमने पहले ही दिन उनसे संपर्क किया। अब वह बात कर रहे हैं, संदेशों का जवाब दे रहे हैं। डॉक्टर और बीसीसीआई उनका पूरा ध्यान रख रहे हैं। वह बेहतरीन खिलाड़ी हैं और जल्द टीम में लौटेंगे। टीम के दूसरे युवा खिलाड़ी नितीश कुमार रेड्डी की फिटनेस पर भी सूर्यकुमार ने कहा कि वह ठीक हैं और नेट्स में बल्लेबाज़ी और रनिंग कर रहे हैं।टीम के माहौल को लेकर उन्होंने कहा कि इस समय भारतीय टीम का माहौल बेहद ऊर्जावान है। फील्डिंग को लेकर सूर्या ने कहा, फील्डिंग ही एक ऐसा विभाग है जहां 11 खिलाड़ी एक साथ रहते हैं। अगर बैटिंग या बॉलिंग थोड़ा कमजोर हो, तो फील्डिंग के दम पर मैच जीते जा सकते हैं। हम चाहते हैं कि टीम में ऐसा माहौल बने जहां हर कोई गेंद अपने पास आने की उम्मीद करे। हाल ही में हुए एशिया कप में भारत ने खिताब जीता, लेकिन फील्डिंग में कई कैच छूटे थे। इसे सुधारने पर अब कप्तान ने खास ज़ोर दिया है। उन्होंने कहा, कैच छूटना खेल का हिस्सा है, लेकिन उसके बाद आप क्या करते हैं, वही मायने रखता है। आज का सेशन वैकल्पिक था, लेकिन हर कोई फील्डिंग के खास लक्ष्य के लिए मेहनत कर रही है। अपनी फॉर्म पर बात करते हुए सूर्यकुमार ने कहा कि रन अभी भले न आए हों, लेकिन वह अच्छी स्पेस में हैं और टीम के लक्ष्य को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं मेहनत कर रहा हूं, अभ्यास सत्र अच्छे जा रहे हैं। जब शुरुआत होगी, तो रन भी आएंगे। उन्होंने शिवम दुबे की तारीफ करते हुए कहा, वह ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को अच्छी तरह समझते हैं और अपनी बॉलिंग पर लगातार मेहनत कर रहे हैं। एशिया कप फाइनल में मैंने उन्हें दो बार गेंदबाज़ी कराई क्योंकि मुझे उनके हुनर पर भरोसा था। अगर तैयारी सही है और मन में कोई संदेह नहीं है, तो प्रदर्शन भी अच्छा होता है। इसी बीच, कप्तान ने जसप्रीत बुमराह की ऑस्ट्रेलिया में अनुभव और प्रभावशाली रिकॉर्ड की भी सराहना की। उन्होंने कहा, बुमराह को यहां की परिस्थितियों का बहुत अच्छा ज्ञान है। उन्होंने हमेशा खुद को शीर्ष पर बनाए रखा है और टीम के सभी साथी उनसे सीख रहे हैं। उनका साथ मिलना हमारे लिए बड़ी ताकत है। बुमराह ने अब तक ऑस्ट्रेलियाई सरज़मीं पर 22 मैचों में 78 विकेट लिए हैं, जिनमें 12 टेस्ट में 64 विकेट शामिल हैं। इस बार वह केवल टी20 सीरीज़ में खेलेंगे, जबकि वनडे से उन्हें आराम दिया गया था। कुल मिलाकर, भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस सीरीज़ में नए कप्तान की अगुवाई में न सिर्फ़ जीत बल्कि टीम की फील्डिंग और आत्मविश्वास को एक नए स्तर पर ले जाने के इरादे से उतरेगा।

मेसी की नजर 2026 फीफा वर्ल्ड कप पर, उम्र और फिटनेस के बावजूद खेलने की जताई उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों में उम्मीद जताई है कि वे फीफा वर्ल्ड कप 2026 में खेलते नजर आ सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी उम्र और फिटनेस ही यह तय करेगी कि वह अर्जेंटीना के लिए 2022 का खिताब बचाने उतरेंगे या नहीं। मेसी अगले साल जून में 39 वर्ष के हो जाएंगे, लेकिन उन्होंने हाल ही में इंटर मियामी के साथ अपना अनुबंध 2028 तक बढ़ाया है। यह इस बात का संकेत है कि वह अभी संन्यास के बारे में नहीं सोच रहे। मीडिया से बातचीत में आठ बार के बैलों डी' ओर विजेता मेसी ने कहा, वर्ल्ड कप में खेलना कुछ असाधारण होता है और मैं उसमें शामिल होना पसंद करूंगा। मैं चाहता हूं कि मैं वहां रहूं, फिट रहूं और टीम के लिए उपयोगी साबित हो सकूं। लेकिन मैं अगले साल प्री-सीज़न शुरू होने पर अपनी स्थिति का आकलन करूंगा और तभी अंतिम फैसला लूंगा। मेसी ने आगे कहा, हम पिछला वर्ल्ड कप जीत चुके हैं और अब उसे मैदान पर बचाने का मौका मिलना शानदार होगा। हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह अपने देश के लिए वर्ल्ड कप खेले और मेरे लिए भी यह हमेशा एक सपना रहा है। मेसी ने अपने 20 से अधिक वर्षों के पेशेवर करियर में बार्सिलोना, पेरिस सेंट-जर्मेन और अब इंटर मियामी के लिए खेला है। 2023 में एमएलएस में शामिल होकर उन्होंने अमेरिकी फुटबॉल लीग में नई जान फूंक दी – खासतौर पर तब, जब उत्तर अमेरिका अगले साल वर्ल्ड कप की मेज़बानी करने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंबे समय तक खिताब से वंचित रहने के बाद मेसी ने 2021 कोपा अमेरिका और फिर 2022 कतर विश्व कप जीतकर अपने करियर को नई ऊंचाई दी। उन्होंने फाइनल में फ्रांस को पेनल्टी शूटआउट (4-2) से हराकर अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाया। मेसी ने कहा, वह मेरे जीवन का सपना था। पेशेवर स्तर पर वही एक चीज़ थी जो बाकी रह गई थी, क्योंकि मैंने क्लब और व्यक्तिगत स्तर पर लगभग सब कुछ हासिल कर लिया था।

रोहित का मुम्बई पहुंचने पर भव्य स्वागत

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापसी के बाद मुम्बई पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में एक अर्धशतक और एक शतक लगाया था जिसके कारण उन्हें मैन ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला था। रोहित ने सीरीज में सबसे अधिक 202 रन बनाए थे। वहीं ये भी माना जा रहा है कि यह रोहित का अंतिम ऑस्ट्रेलिया दौरा था। उनके स्वागत का वीडियो भी आया है। इसमें रोहित शर्मा मुंबई एयरपोर्ट से बाहर निकलते दिख रहे हैं। इस दौरान उनके प्रशंसक रोहित को मुंबई चा राजा नाम से बुलाते दिखे। रोहित भी हाथ हिलाकर अपने प्रशंसकों का आभार जताते हुए दिखे। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया से वापसी से पहले एक भावुक पोस्ट भी किया था। अपनी इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, आखिरी बार सिडनी को अलविदा। सिडनी में रोहित के शतक से भारतीय टीम ने अंतिम एकदिवसीय में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया था। इस सीरीज में ही रोहित ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 50 शतक पूरे किए। 12 शतक रोहित ने टेस्ट जबकि 33 एकदिवसीय में बनाये हैं। वहीं टी20 में रोहित ने 5 शतक लगाये हैं। इस प्रकार रोहित ने कुल 50 शतक लगाये हैं।

घुटने की चोट के कारण दो महीने मैदान से दूर रहेंगे रियल मैड्रिड के डिफेंडर कार्वाहल

मैड्रिड,एजेंसी। रियल मैड्रिड की एफसी बार्सिलोना पर 2-1 की जीत टीम के लिए महंगी साबित हुई है। क्लब ने सोमवार को जानकारी दी कि टीम के कप्तान और डिफेंडर डैनी कार्वाहल को घुटने में गंभीर चोट लगी है। रियल मैड्रिड की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, हमारे कप्तान डैनी कार्वाहल पर किए गए चिकित्सीय परीक्षणों में उनके दाहिने घुटने के जोड़ में एक ढीला टुकड़ा पाया गया है। क्लब ने आगे बताया कि अब कार्वाहल की आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी की जाएगी।यह चोट उन्हें लगभग दो महीने तक मैदान से दूर रखेगी, यानी वे 2026 की शुरुआत तक टीम से बाहर रह सकते हैं। स्पेनिश अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कार्वाहल हाल ही में एक महीने की मांसपेशीय चोट से उबरकर एल क्लासिको मुकाबले में दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट लौटे थे। 33 वर्षीय कार्वाहल ने 2024-25 सीज़न का अधिकांश हिस्सा घुटने के लिगामेंट फटने की वजह से गंवाया था और मौजूदा सीज़न की शुरुआत में ही मैदान पर वापसी की थी, जहाँ वे नए खिलाड़ी ट्रेंट एलेक्ज़ेंडर-अर्नोल्ड के साथ राइट बैक पोजीशन के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

श्रीकांत और कैफ ने सीमित ओवरों में शुभमन के असफल होने का कारण बताया

मुम्बई एजेंसी। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल के लिए अपना पहला दौरा बल्लेबाजी के लिहाज से अच्छा नहीं रहा और वह तीन मैचों में कुल मिलाकर 43 रन ही बना पाये। वहीं इससे पहले पहले इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट टीम की कप्तान करते हुए शुभमन ने 700 से अधिक रन बनाये। वहीं एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भी उपकप्तानी करते हुए उनकी बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और वह सात पारियों में 127 रन ही बना सके। इससे साफ है कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में रनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शुभमन के सीमित ओवरों में रन नहीं बना पाने का कारण टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने सभी प्रारूपों के कारण काम का बोझ ओर दो प्रारुपों में कप्तानी का दबाव बताया है। कैफ ने कहा कि एक युवा खिलाड़ी के लिए इतनी कम उम्र में लगातार तीन प्रारूपों में खेलना और साथ ही कप्तानी की जिम्मेदारी संभालना शारीरिक और मानसिक रूप से थकाने वाला अनुभव है। कैफ ने कहा, उन्होंने काफी मैच खेले हैं। उन्हें अलग-अलग प्रारुपों में पारी की शुरुआत करनी होती है और कप्तानी भी। फिर आईपीएल की कप्तानी भी है। नीलामी होने वाली है और इसके लिए गुजरात टाइटंस के साथ उनकी बात चल रही होगी। उनके पास काफी काम है और ऐसा लग रहा है कि इससे उनकी बल्लेबाजी पर प्रभावह पड़ा है। वह मानसिक रूप से थका हुआ लग रहा था। श्रीकांत ने कहा, इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद वह अपने पर और बेहतर प्रदर्शन के लिए दबाव डाल रहे हैं। उन्हें ऐसा नहीं करते हुए अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। तीसरे एकदिवसीय में उनके आउट होने का कारण हेजलवुड की अच्छी गेंदबाजी रही। उनकी बॉडी लैंग्वेज देखकर लगता है कि वह दबाव में हैं।

फोन पर जवाब दे रहे अय्यर, सूर्यकुमार यादव ने रिकवरी को लेकर दिया अपडेट

कैनबरा, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने श्रेयस अय्यर की रिकवरी को लेकर अपडेट दिया है। सूर्या ने बताया कि अय्यर की हालत स्थिर है और वह मोबाइल पर मैसेज के जवाब दे रहे हैं। वनडे टीम के उप-कप्तान श्रेयस अय्यर 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान एलेक्स कैरी का कैच लेते समय चोटिल हुए थे, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया और बाद में आईसीयू में भर्ती कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट में पाया गया कि उनकी स्प्लीन में गंभीर चोट है। सूर्यकुमार यादव ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज की शुरुआत से पहले अय्यर को लेकर कहा, हमने उनसे बात की। पहले दिन जब हमें पता चला कि उन्हें चोट लगी है, तो मैंने सबसे पहले उन्हें फोन किया। फिर पता चला कि उनके पास फोन नहीं है। इसके बाद मैंने अपने फिजियो कमलेश को फोन किया। उन्होंने बताया कि अय्यर की हालत स्थिर है। पहले दिन तो कुछ भी पक्का नहीं कहा जा सकता था।

उन्होंने कहा, हम पिछले दो दिनों से उनसे बात कर रहे हैं। वह जवाब दे रहे हैं। अगर वह फोन पर जवाब दे रहे हैं, तो इसका मतलब है कि उनकी हालत स्थिर है। डॉक्टर भी उनके साथ हैं, लेकिन अगले कुछ दिनों तक वह निगरानी में रहेंगे। अभी सब ठीक लग रहा है। वह जवाब दे रहे हैं। यही सबसे अच्छी बात है।

इस बीच सूत्रों ने आईएएनएस को बताया है कि अय्यर आईसीयू से बाहर आ गए हैं। टीम मैनेजमेंट उनके संपर्क में है। उनकी रिकवरी पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही सूर्यकुमार यादव ने नीतीश कुमार रेड्डी के बारे में भी जानकारी दी है। नीतीश को एडिलेड में खेले गए दूसरे वनडे मैच के दौरान बाईं कोहनी में चोट लगी थी, जिसके कारण वह सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मैच में नहीं खेल पाए थे।

सूर्या ने कहा, वह ठीक हैं। बीते दिन उन्होंने नेट्स में थोड़ी रनिंग और बल्लेबाजी भी की। मंगलवार को वह ब्रेक लेना चाहते थे, क्योंकि यह वैकल्पिक अभ्यास था, लेकिन हम मैदान पर आए क्योंकि हमारी टीम मीटिंग थी और वह ग्रुप के साथ रहना चाहते थे।

रियल मैड्रिड को झटका, करीब 2 महीने मैदान से बाहर रहेंगे कार्वाजल

मैड्रिड, एजेंसी। रियल मैड्रिड को एफसी बार्सिलोना के खिलाफ जीत की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। मैड्रिड के डिफेंडर दानी कार्वाजल को घुटने में चोट लगी है, जिसके बाद अब वह 2026 की शुरुआत तक मैदान से बाहर रहेंगे। रियल मैड्रिड ने बार्सिलोना पर 2-1 जीत दर्ज की थी, लेकिन इस दौरान टीम का यह डिफेंडर चोटिल हो गया। अब दानी कार्वाजल को ठीक होने में लगभग दो महीने का समय लगेगा। रियल मैड्रिड की आधिकारिक वेबसाइट ने बताया, रियल मैड्रिड की मेडिकल टीम ने दानी कार्वाजल की जांच की, जिसमें उनके दाएं घुटने के जोड़ में एक लूज बॉडी पाया गया है। डिफेंडर अब आर्थ्रोस्कोपी सर्जरी से गुजरेंगे।

स्पेन के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को मांसपेशियों में चोट के कारण एक महीने तक खेल से बाहर रहना पड़ा था, जिसके बाद बार्सिलोना के खिलाफ दूसरे हाफ में स्थानापन्न के रूप में वापसी की। अगर रिकवरी टाइमलाइन सही रही, तो कार्वाजल 2025 में फिर से नहीं खेल पाएंगे। ऐसे में दानी लगभग 10 मैच मिस कर सकते हैं, जिनमें से 7 ला लीगा और 3 चैंपियंस लीग के मुकाबले होंगे।

33 वर्षीय खिलाड़ी को घुटने के लिगामेंट में चोट के कारण 2024-25 में लगभग पूरे सीजन बाहर रहना पड़ा था। वह मौजूदा सत्र की शुरुआत में ही मैदान पर लौटे, ताकि टीम में नए शामिल हुए ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड के साथ राइट-बैक की जगह के लिए प्रतिस्पर्धा कर सकें।

अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड भी हाल ही में मांसपेशियों की चोट से उबरे हैं, जिसके चलते अलोंसो ने उरुग्वे के मिडफील्डर फेडे वाल्वरडे को अपनी टीम के डिफेंस के दाईं ओर तैनात किया है।

रियल मैड्रिड की बर्नब्यू में बार्सिलोना पर एल क्लासिको जीत के साथ कार्वाजल ने अपनी 200वीं ला लीगा जीत दर्ज की थी। उन्होंने 293 मैच खेले, जिसमें 10 गोल किए हैं। इस दौरान 4 बार ट्रॉफी जीती। कार्वाजल ने इस प्रतियोगिता में 18 अगस्त 2013 को पदार्पण किया था। ला लीगा में उन्होंने रियल सोसिएदाद के खिलाफ 14 बार जीत दर्ज की है।

पीकेएल-12 (क्वालीफायर-1) : फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी दिल्ली

नई दिल्ली, एजेंसी। दबंग दिल्ली प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन की पहली फाइनलिस्ट टीम बन गई है। त्यागराज इंडोर स्टेडियम में सोमवार रात खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के क्वालीफायर-1 मुकाबले में दिल्ली ने टाईब्रेकर में पुनेरी पल्टन को 6-4 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। निर्धारित समय तक मुकाबला 34-34 से बराबर रहने के बाद फैसला टाईब्रेकर से हुआ। इस सीजन में इन दो टीमों के बीच यह तीसरा टाईब्रेकर था, जिसमें दिल्ली ने दो बार बाजी मारी। निर्धारित समय के खेल की बात की जाए तो दिल्ली ने रेड और डिफेंस से दो-दो अंक लेकर पांच मिनट में ही 4-1 की लीड ले ली। इस बीच डू ओर डाई रेड पर डिफेंस ने पंकज को लपक लिया लेकिन पल्टन के डिफेंस ने आशु को लपक लिया लेकिन इस दौरान पल्टन के दो डिफेंडर भी सेल्फ आउट हुए। इस रेड पर दोनों टीमों को 2-2 अंक मिले और पल्टन के लिए सुपर टैकल आन हो गया। पल्टन ने दूसरे सुपर टैकल के जरिए पहले क्वार्टर की समाप्ति तक स्कोर 6-7 कर दिया।

ब्रेक के बाद दिल्ली के डिफेंस ने आदित्य को लपक पल्टन के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। आशू की रेड पर विशाल सेल्फ आउट हुए और पल्टन दो खिलाड़ियों तक सीमित हुए। फिर आशू ने एक ही रेड में आलआउट लेकर दिल्ली को 13-6 से आगे कर दिया। आलइन के बाद आदित्य ने आशु को बाहर दिल्ली को बड़ा झटका दिया। फिर पंकज ने सौरव और फजल को बाहर कर स्कोर 11-15 कर दिल्ली को बैकफुट पर ला दिया। पल्टन ने यहां आलआउट लेकर शानदार वापसी की। हाफटाइम तक दिल्ली 18-17 से आगे थे लेकिन पल्टन ने जल्द बराबरी कर ली। आशु ने हालांकि डू ओर डाई रेड में अबिनेश कर दिल्ली को फिर आगे कर दिया। इस बीच आशु ने अगली रेड पर एक अंक लिया लेकिन वह चोटिल हो गए।

हाइलो ओपन सुपर 500 : भारतीय शटलरों को मिला कठिन ड्रॉ, पहले राउंड में होंगे कड़े मुकाबले

सारब्रूकेन (जर्मनी), एजेंसी। 4,75,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाले हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय शटलरों को मुश्किल ड्रॉ का सामना करना पड़ेगा। मंगलवार से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा खिलाड़ी भी चुनौती पेश करेंगे, लेकिन पहले दौर से ही उन्हें कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। पुरुष एकल वर्ग में 2021 विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन, जिन्होंने हाल ही में हांगकांग ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी, का मुकाबला फ्रांस के पांचवीं वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव से होगा। वहीं यूएस ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी का सामना डेनमार्क के विक्टर लाई से होगा।

पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत, जिन्होंने इस साल मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई थी, को पहले ही दौर में हमवतन किरण जॉर्ज से भिड़ना होगा। इसके अलावा एस. शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम का सामना मलेशिया के लियोंग जुन हाओ से होगा, जबकि थरुण मानेपल्ली, जो हाल ही में मकाऊ ओपन सुपर 300 के सेमीफाइनल में पहुंचे थे, दूसरे वरीय इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से भिड़ेंगे। महिला एकल वर्ग में अन्मोल खर्ब, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में आर्कटिक ओपन सुपर 500 के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी, का सामना डेनमार्क की जूली डावाल जैकबसेन से होगा। वहीं युवा शटलर उन्नति हुड्डा, जो 2022 ओडिशा मास्टर्स और 2023 अबू धाबी मास्टर्स की विजेता हैं, का सामना ब्राजील की जूलियाना वियाना विएरा से होगा।

अनुपमा उपाध्याय की भिड़ंत यूक्रेन की पोलिना बुह्रोवा से होगी, जबकि रक्षिता श्री सन्तोष रामराज को स्पेन की क्लारा अजुरमेंदी से टकराना है। श्रीयांशी वलीशेट्टी, जिन्होंने हाल ही में अल ऐन मास्टर्स सुपर 100 खिताब जीता था, को पहले ही दौर में तीसरी वरीयता प्राप्त डेनमार्क की लाइन होजमार्क कैर्सफेल्ट से चुनौती मिलेगी। इसके अलावा आकर्षी कश्यप की शुरुआत तुर्की की नेस्लिहान अरिन के खिलाफ होगी, जबकि तान्या हेमंत को चीनी ताइपे की चौथी वरीय लिन सिआंग टी से भिड़ना होगा।

पुरुष युगल वर्ग में पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और साई प्रथीक के. की भारतीय जोड़ी का मुकाबला फ्रांस के क्रिस्टो और टोमा जूनियर पोपोव की जोड़ी से होगा। वहीं मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे को पहले दौर में कनाडा के जोनाथन बिंग त्सान लाई और क्रिस्टल लाई की जोड़ी से भिड़ना है।

कुल मिलाकर, भारतीय दल को टूर्नामेंट की शुरुआत से ही कठिन मुकाबलों का सामना करना पड़ेगा, लेकिन अच्छे प्रदर्शन से वे खिताब की दौड़ में बने रहने की उम्मीद रखेंगे।

रीवा संभाग ई ऑफिस में प्रदेश में दूसरे स्थान पर, रोजगार मेले के लिए स्वीकृत प्रकरणों की तत्काल जानकारी दें: कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की विभागवार समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के निराकरण की प्रगति संतोषजनक नहीं है। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों तथा सौ दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का विशेष प्रयास करके निराकरण करें। इसके लिए जिला और विकासखण्ड स्तर पर शिविरों का आयोजन करें। प्रतिदिन शाम चार से पाँच बजे की अवधि में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण करें। प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करके विभाग की ग्रेडिंग में सुधार करें, जिससे संभाग के सभी जिले ए ग्रेड में रहें।

कमिश्नर ने कहा कि ई ऑफिस प्रणाली में रीवा संभाग फाइल मूवमेंट में प्रदेश में नर्मदापुरम संभाग के बाद दूसरे स्थान पर है। सभी अधिकारी ई ऑफिस के माध्यम से फाइलें भेजकर संभाग को प्रथम स्थान पर पहुंचाएं। ई ऑफिस के माध्यम से रीवा जिले में 26903 फाइलों का मूवमेंट हुआ है। संभागीय अधिकारी जिलों में ई ऑफिस प्रणाली को अधीनस्थ कार्यालयों में लागू कराएं। इसमें लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही करें। कमिश्नर ने कहा कि ई ऑफिस के माध्यम से सर्वाधिक 208 फाइलें संयुक्त संचालक शिक्षा द्वारा भेजी गई हैं। सहकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पशु चिकित्सा सेवाएं, उद्योग विभाग, पीएचई तथा संयुक्त संचालक नगरीय निकाय भी पर्याप्त फाइलें भेजी गई हैं। सभी अधिकारी ई ऑफिस के माध्यम से ही फाइलों का मूवमेंट करें। कमिश्नर ने बैठक से बिना सूचना अनुपस्थित प्रभारी संयुक्त संचालक कृषि को नोटिस देने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने कहा कि रोजगार मेले में 50 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। विभागों द्वारा इस संबंध में की जा रही कार्यवाही मॉनीटरिंग के लिए गूगल शीट भेजी गई है। इसमें सभी अधिकारी और बैंक शाखा प्रबंधक हितग्राहियों की योजनावार जानकारी दर्ज कर दें। जिला स्तर पर बैठक करके बैंकों में लंबित स्वरोजगार प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। अग्रणी बैंक प्रबंधक इसके लिए आवश्यक तैयारियाँ कर लें। कमिश्नर ने कहा कि अधिक वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों का तत्काल सुधार कराएं। अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग सड़क निर्माण से जुड़े सभी विभागों से तीन दिवस में जानकारी लेकर सड़क सुधारकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। सड़कों में सुधार का कार्य प्राथमिकता से कराएं। सीधी-सिंगरौली हाइवे, ग्रामीण क्षेत्र की सड़कें, बेला से सतना हाइवे तथा चित्रकूट मार्ग में तत्काल सुधार कराएं।

बैठक में कमिश्नर ने अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण के निर्देश दिए। बैठक में खाद के भण्डारण तथा वितरण, धान उपार्जन की तैयारियों, आगामी फसल के लिए बीज वितरण की भी समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, उपायुक्त एलआर अहिरवार, संयुक्त आयुक्त दिव्या त्रिपाठी, प्रभारी वन मण्डलाधिकारी हितेश खण्डेलवाल, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संयुक्त किसान मोर्चा ने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संयुक्त किसान मोर्चा रीवा के बैनर तले किसानों ने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने कहा कि विगत 25, 26, और 27 अक्टूबर 2025 को असमय बारिश एवं आंधी से पकी हुई धान की खड़ी और कटी फसल जिले भर में नष्ट हो रही है। उन्होंने मांग की कि इसका सर्वे कराकर मुआवजा और सीमित फसलों का बीमा का लाभ अतिशीघ्र प्रदान किया जाए।

किसानों ने यह भी बताया कि जिले भर में पुनः खाद का संकट गहराया हुआ है और बोनी का समय आ गया है। इसलिए, उन्होंने जिले भर के विक्रय केंद्रों में 45 हजार मेट्रिक टन खाद उपलब्ध कराने की मांग की। इसके साथ ही, पराली प्रबंधन के लिए कलेक्टर रीवा का आदेश जिसमें पराली जलाने पर किसानों के ऊपर मुकदमा कायम करने की सिफारिश की गई है, को गलत बताया। उन्होंने कहा कि एनजीटी के सुझाव के अनुसार सरकार को पराली प्रबंधन के लिए 100 रुपये प्रति क्विंटल बोनस और पराली प्रोत्साहन राशि 3000 रुपये प्रति एकड़ देने के साथ-साथ पराली प्रबंधन में काम आने वाले कृषि यंत्रों पर 80% सब्सिडी देनी चाहिए।

किसानों ने चेतावनी दी कि जब तक सरकार एनजीटी के सुझावों के अनुसार आर्थिक सहायता नहीं देती, तब तक पराली जलाने वाले किसानों के खिलाफ मुकदमा न किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में रामजीत सिंह, विश्वनाथ पटेल चोंटीवाला, उमेश पटेल, भैयालाल त्रिपाठी, घनश्याम सिंह, रामनरेश सिंह, तेजभान सिंह, वीरभद्र सिंह, बीरेंद्र सिंह, संजय निगम, रोहित तिवारी, संतोष सिंह, अभयराज सिंह, विनोद सिंह और अमित सौहगौरा आदि लोग मौजूद रहे।

रीवा एनएसयूआई करेगी विश्वविद्यालय का घेराव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विगत कुछ हफ्तों पहले घोषित पीएचडी प्रवेश परीक्षा के परिणाम में हुई धांधली के खिलाफ आज एक जंगी प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा।

उपाध्याय ने कहा कि संबल मेधावी और स्कॉलरशिप के अंतर्गत छात्र-छात्राओं से शुल्क वसूलने के मामले में भी घोटाला हुआ है। इसके अलावा, परीक्षा परिणाम में लगातार देरी और बिना किसी सूचना के शिक्षकों की भर्ती करना, वो भी बिना पीएचडी होल्डर और बिना नेट क्वालीफाई के, छात्रों के लिए गंभीर समस्या बन गई है।

इसलिए, एनएसयूआई के नेतृत्व में छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय का घेराव करेंगे और अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाएंगे। पंकज उपाध्याय ने कहा कि यह प्रदर्शन विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ एक मजबूत संदेश देने के लिए है, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके।

छात्रों ने प्रशासन से मांग की है कि वे तुरंत इन मुद्दों पर ध्यान दें और उचित कार्रवाई करें। एनएसयूआई का यह प्रदर्शन छात्रों की एकजुटता और उनके अधिकारों के लिए लड़ाई का प्रतीक होगा।

शराब ठेकेदार की मनमानी, निगम ने किया चालान, सिरमौर चौराहे में गंदगी की; ग्राहकों को बाहर बैठाकर पिला रहा था शराब

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में शराब ठेके संचालित करने वाली एजेंसी जय महाकाल एसोसिएट की लापरवाही सामने आई है। सिरमौर चौराहे जैसे प्रमुख सार्वजनिक स्थल पर एजेंसी की दुकान के बाहर लोगों को खुले में शराब परोसी जा रही थी और परिसर में गंदगी फैलाई जा रही थी। इस पर नगर निगम ने कार्रवाई करते हुए सोमवार को शराब दुकान पर 2500 रुपए का चालान काटा है। इसके अलावा एस.एफ. चौराहे स्थित दुकान पर भी गंदगी और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर 3000 रुपए का चालान किया गया है।

निगमायुक्त के निर्देश पर हो रही कार्रवाई: बताया गया कि निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से निरंतर कार्यवाही की जा रही है। खुले में कचरा फेंकने वाले, डस्टबिन न रखने वाले और प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के खिलाफ नगर निगम की टीम द्वारा सख्त कार्यवाही जारी है।

सिरमौर चौराहे पर खुले में पिला रहा थे शराब, गंदगी भी: इसी क्रम में नगर निगम उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी की उपस्थिति में निगम क्षेत्र अंतर्गत सिरमौर चौराहा में स्थित कंपोजिट मदिरा दुकान (जय महाकाल एसोसिएट) के बाहर दुकानदारों द्वारा अवैध रूप से दुकान के बाहर बैठा कर शराब पिलाने और परिसर में गंदगी फैलाने पर 2500 रुपए की चालानी कार्यवाही की गई है।

आयुक्त बोले- दोबारा गलती पर सख्त कार्रवाई होगी: आयुक्त सौरभ सोनवणे के मुताबिक, प्रतिबंधित सिंगल यूज़ प्लास्टिक की जब्ती के साथ ही दुकानदारों को समझाइश दी गई कि पुनरावृत्ति पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

एस.एफ. चौराहे पर भी 3000 का चालान: इसी प्रकार, एस.एफ. चौराहा स्थित कंपोजिट मदिरा दुकान के बाहर भी दुकानदारों द्वारा सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग करते हुए और दुकान के बाहर गंदगी फैलाते हुए पाया गया। जिस पर नगर निगम की टीम द्वारा चालानी कार्यवाही करते हुए 3000 रुपए का चालान किया गया।

कार्रवाई में ये रहे शामिल: इस कार्यवाही में नगर निगम का स्वच्छता निरीक्षक, आईईसी टीम और अतिक्रमण दल मौजूद रहा।

वार्ड क्र.9 चंद्रशेखर आजाद नगर में पुल के नीचे पानी भरे होने से लोग हो रहे दुर्घटना का शिकार

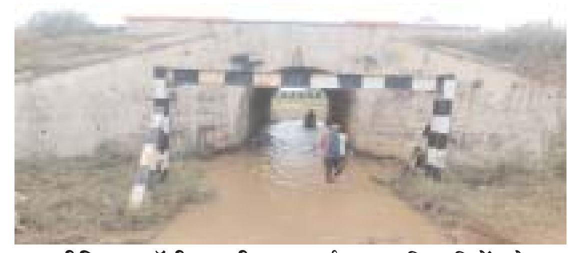

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विनय कुमार शुक्ला, सामाजिक कार्यकर्ता (मगड़ौर), ने वार्ड क्रमांक 09 चंद्रशेखर आजाद नगर परिषद डभौरा में रास्ते की सफाई कराने और गड्ढायुक्त नाले की मरम्मत कार्य कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि गड्ढायुक्त रास्ता होने से प्रतिदिन लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

पुल के नीचे पानी भरे होने से लोग लगातार दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। यहां तक कि आने-जाने वाले सभी वाहन रास्ते में फंस जाते हैं, जिससे लोग गिरकर चोटिल हो जाते हैं। विनय कुमार ने बताया कि उन्होंने कई बार अधिकारियों को इस समस्या के बारे में बताया और स्थिति को दिखाया, लेकिन किसी ने भी ध्यान नहीं दिया।

इसलिए, विनय कुमार ने नगर परिषद की अध्यक्षता, मंडल अध्यक्ष और सीएमओ डभौरा से मांग की है कि उक्त रास्ते को जल्द से जल्द बनवाया जाए, ताकि ग्रामीणों का रास्ता सुगम हो सके।

उन्होंने कहा कि यदि इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो ग्रामीणों को और भी अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। स्थानीय निवासियों ने भी इस मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त की है और प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की अपील की है।

रीवा परिवहन विभाग की सख्त कार्यवाहीं, अग्निशमन यंत्र न होने पर 25 बसों पर चालान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में परिवहन विभाग ने यात्रियों और छात्रों की सुरक्षा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। मंगलवार को विभाग की टीम ने शहर और आसपास के क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया, जिसमें 14 यात्री बसों और 11 स्कूल बसों सहित कुल 25 वाहनों पर अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) न होने के कारण चालानी कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही से न केवल बस संचालकों में सतर्कता आई है, बल्कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।परिवहन विभाग ने बताया कि मोटरयान अधिनियम के अनुसार, हर यात्री और स्कूल बस में अग्निशमन यंत्र अनिवार्य है। परिवहन विभाग ने पिछले एक सप्ताह से चल रहे अभियान के तहत आज की जांच में पाया कि इन बसों में यह सुविधा पूरी तरह अनुपस्थित थी। इन प्रत्येक बसो पर चालानी कार्यवाही कार्यवाही कि गई , साथ ही अगले 15 दिनों में सुधार न करने पर वाहन जब्त करने की चेतावनी दी गई है।सुरक्षित परिवहन के लिए बच्चों और यात्रियों की जान जोखिम में नहीं डाली जा सकती। यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।जांच के दौरान पाया गया कि कई बसों में अग्निशमन यंत्र या तो पुराना है या काम नहीं कर रहा है और रखरखाव की कमी भी है, जिससे अग्निशमन यंत्र मोटरयान अधिनियम के अनुरूप सही नहीं थे ।परिवहन विभाग ने सभी बस संचालकों को निर्देश जारी किए हैं कि वे तत्काल अग्निशमन यंत्र स्थापित करवाएं और नियमित जांच करवाएं। यह अभियान रीवा जिले में निरंतर जारी रहेगा। ऐसी कार्यवाहियां सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली आग की घटनाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।यात्रियों और अभिभावकों ने विभाग की इस पहल का स्वागत किया है। बसों में सुरक्षा उपकरणों की कमी से हमेशा चिंता का विषय रहती है। जिस पर परिवहन विभाग ने गंभीरता से अमल करते हुए, सगन जांच अभियान चला रहा है।यह कार्यवाही न केवल नियमों का पालन सुनिश्चित करेगी, बल्कि जिले की सड़कों को और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगी।

जनसुनवाई में 88 प्रकरणों में हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय में 88 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किये। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवेदनों में कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर आर.के. सिन्हा एवं जी.पी. अग्रवाल ने भी आवेदकों की समस्यायें सुनी।

जनसुनवाई में उमाशंकर द्विवेदी सेमरीकला निवासी ने नक्शा तरमीम व सीमांकन कराने, रामलखन सेन गुढ़वा ने नक्शा तरमीम कराने तथा प्रदीप कुमार नाई पातरी ने सीमांकन कराने का आवेदन प्रस्तुत किया। जिन्हें संबंधित एसडीएम को प्रेषित कर कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश दिये गये। इसी प्रकार अमाव अतरैला निवासी सत्यम मिश्रा एवं अमहिया रीवा निवासी हाजी अब्बास के अवैध कब्जा हटाने एवं मध्येपुर निवासी मुन्नू यादव के अवरूद्ध रास्ता को खोलने के आवेदन को संबंधित तहसीलदार को समाधान कार्यवाही करने के लिए प्रेषित किया गया। जनसुनवाई में बाबूपुर के रामायण शुक्ला द्वारा सीमांकन पत्थर उखाड़कर अवैध कब्जा करने के आवेदन को तहसीलदार हुजूर को तथा मझिगवां निवासी मिठाईलाल के बेदखल की साजिश करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही के आवेदन को तहसीलदार हुजूर को निर्देशित किया गया। जबकि लालबहादुर निवासी बघेड़ी के प्रधानमंत्री आवास की राशि प्रदाय करने के आवेदन पर सीएमओ चाकघाट को कार्यवाही के लिए प्रेषित किया गया। इस अवसर पर संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

धान की फसल जमीदोज, खाद के लिए लाइनों पर फिर किसान: शिव सिंह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मौसम की असमय वापसी से आंधी, तूफान और बारिश के कहर ने एक बार फिर से किसानों को रुला दिया है। विंध्य इलाके के साथ-साथ पूरे मध्य प्रदेश में किसानों की पकी हुई धान सहित अन्य खरीफ की फसल जमीदोज हो गई है। सरकार ने अभी तक किसानों के पक्ष में कोई निर्णायक कदम नहीं उठाया है। संयुक्त किसान मोर्चे के नेता शिव सिंह ने कहा कि धान की जमींदोज फसल छोड़कर रबी फसल के इंतजाम के लिए किसान समितियों में खाद के लिए फिर से लाइनों में खड़े होने को मजबूर हैं। रीवा करहिया मंडी में खाद के लिए किसानों की लंबी कतार लगी हुई है।

मौके पर उपस्थित संयुक्त किसान मोर्चे के नेता इंद्रजीत सिंह शंखू और अनिल मिश्रा ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी की सरकार बेरहम हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की फसल और नस्ल को मिटाने पर आमादा है।

जिले भर में आयोजित किए जाएंगे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों के उपचार, जटिल ऑपरेशन, गर्भवती महिलाओं के उपचार तथा थैलीसीमिया और हीमोफीलिया के उपचार के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। जिले के ब्लड बैंक में पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध होने पर जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो जाता है। ब्लड बैंक में पर्याप्त मात्रा में रक्त की उपलब्धता के लिए जिले भर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाकर रक्त संचय किया जाएगा। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि प्रत्येक शिविर में कम से कम सौ यूनिट रक्त संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक तथा धार्मिक संस्थाओं का सहयोग लिया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जवा में 3 नवम्बर, सेमरिया में 7 नवम्बर, मनगवां में 17 नवम्बर तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिरमौर में 21 नवम्बर को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। सिविल अस्पताल मऊगंज में 28 नवम्बर, सिविल अस्पताल त्योंथर में 3 दिसम्बर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गंगेव में 9 दिसम्बर, गोविंदगढ़ में 16 दिसम्बर, चाकघाट में 23 दिसम्बर तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हनुमना में 29 दिसम्बर को शिविर लगाया जाएगा।

शुद्ध मतदाता सूची से लोकतंत्र के सशक्तीकरण हेतु एसआईआर प्रक्रिया प्रारंभ

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रक्रिया के संबंध में दी जानकारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। देश के 12 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में 28 अक्टूबर से मतदाता सूची का स्पेशल इंटेसिव रीवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। यह प्रक्रिया 7 फरवरी तक चलेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रक्रिया में नये मतदाताओं को सूची में जोड़ा जायेगा। मृतकों या स्थानांतरित नागरिकों के नाम हटाये जायेंगे और सूची में मौजूद त्रुटियों को सुधारा जायेगा।

उन्होंने आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि प्रक्रिया के दौरान 4 नवम्बर से 4 दिसंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का नाम जोड़ेंगे। 9 दिसंबर को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जायेगा। जबकि 9 दिसंबर से 8 जनवरी तक दावे आपत्तियां प्राप्त की जा सकेंगी। दावे आपत्तियों की सुनवाई 9 दिसंबर से 31 जनवरी तक की जा सकेगी। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी को किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 31 जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जायेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि वह बूथ लेवल एजेंट तैनात करें। आयोग की मंशा है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से छूटे नहीं और आयोग मतदाता सूची में बना न रहे। मतदाता को बीएलओ द्वारा उपलब्ध कराये गये फार्म में अपना विवरण दर्ज कराना होगा। अगर दो जगह नाम है तो एक जगह नाम कटवाना होगा। पता, नाम व जन्म तिथि में सुधार किया जा सकता है और यदि नाम मतदाता सूची में नहीं है तो नया फार्म भरकर जमा करना होगा। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एस.के. बेक ने एसआईआर प्रक्रिया व अन्य महत्वपूर्ण जानकारी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 27 अक्टूबर की फ्रीज वोटर लिस्ट के आधार पर ईएफ छपेंगे। बीएलओ घर-घर जाकर यह फार्म देंगे जिसमें जन्म तिथि, आधार नंबर, मोबाइल नंबर, माता-पिता व जीवन साथी का नाम और ईपिक नंबर भरना होगा। पिछले एसआईआर के डेटा से मिलान या लिंकिंग में बीएलओ मदद करेंगे। डेटा लिंक वोटर्स डॉट ईसीआई डाट जीओव्ही डाट इन पर भी उपलब्ध है। इस संबंध में हेल्पलाइन 1950 पर कॉल किया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चकघर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।